



भारत का गज़त्रा The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 32]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 25, 1990/कार्तिक 3, 1912

No. 32] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 25, 1990/KARTIKA 3, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि गहर अलग संकलन के लिए में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(साधारण विनियम, 1990)

भविसूचनाएँ

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1990

सं. 3144/सी ए डी/बांड सामान्य विनियम :— भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक भविनियम, 1989 (1989 का 39) फी धारा 52 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, भर्तु :—

प्रधायाय-1

प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम :— 1. इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक साधारण विनियम, 1990 है।

2. परिभाषा एँ :— इन विनियमों में जब तक कि कोई वात विषय या संदर्भ के लिए न हो :—

(क) "भविनियम" से भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक भविनियम, 1989 (1989 का 39) भवित्र है।

(ख) "संवय" से, भविनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन गठित किसी समिति का संवय भवित्र है।

(ग) (i) इन विनियमों में प्रयुक्त किस्तु अपरिसाधित और भविनियम में प्रयुक्त अन्य पदों के पर्याय वही हैं, जो भविनियम के प्रयोजनों के लिए, हैं,

(ii) इन विनियमों में प्रयुक्त किस्तु विनियमों या भविनियम में अपरिसाधित अन्य पदों के, यदि कोई हैं, अर्थ, वही हैं जो भारतीय औद्योगिक विकास बैंक भविनियम, 1984 में हैं।

प्रधायाय-II

बोर्ड और समिति की बैठकें

3. बोर्ड की बैठकें—(i) बोर्ड की बैठकें प्रधायाय या प्रबन्ध निदेशक द्वारा या उनकी अनुपरियसि में, अध्यक्ष या प्रबन्ध निदेशक द्वारा लघु उद्योग बैंक के इस निमित्त नामनिर्दिष्ट किसी कार्यपालक निदेशक या भवाप्रबन्धक द्वारा घपने विस्तीर्ण वर्ग की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार बुलाई जाएंगी।

(ii) कोई भी चार निदेशक अध्यक्ष, या प्रबन्ध निदेशक से कोई को बैठक बुलाने की किसी भी समय अपेक्षा कर सकेंगे और वह तबनुसार तुरन्त बैठक बुलाएगा।

(iii) बोर्ड की बैठक भारत में किसी ऐसे स्थान पर की जाएगी बृला ने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए,

(iv) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कम से कम पूर्ण दस दिन की सूचना दी जाएगी और ऐसी सूचना प्रत्येक निदेशक को उसके रजिस्ट्रीकूट परे पर दी जाएगी। यदि कोई आवापत्ति बैठक बृला ना आवश्यक पाया जाए तो भारत में प्रत्येक निदेशक को उसकी पर्याप्त सूचना दी जाएगी, जिससे कि वह उसमें उपस्थित हो सके।

(v) जिस कामकाज के लिए बैठक बृला गई थी, उसमें जिस किसी कामकाज की चर्चा बोर्ड की किसी बैठक में, उस बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति और उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सहमति के सिवाएं तब तक नहीं की जाएगी, जब तक कि लिखित रूप में उसकी पूर्ण एक संपादन की सूचना आवश्यक या प्रबन्ध निदेशक को न दे दी गई हो।

(vi) बोर्ड के कारबाह के उपयोगहार के लिए गणपूर्ति बोर्ड के निदेशकों की कूल नियत संख्या का एक तिहाई या चार निदेशकों से, बोर्ड में से जो भी अधिक हो, होगी (उस एक तिहाई में कोई भिन्नता है तो उसे एक के रूप में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(vii) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति बैठक के पश्चात् यथासंभव शीघ्र निदेशकों की जातकारी के लिए प्रस्तावित की जाएगी और उस पर उस बैठक या ठीक उत्तरवर्ती बैठक की प्रधानता करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

4. किसी निदेशक का उन विषयों के बारे में कार्यवाही न करना, जिससे वह अधिनियम रूप से संबद्ध या हितबद्ध है। (1) बोर्ड का प्रत्येक निदेशक जो लघु उद्योग बैंक द्वारा या उसकी ओर से की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव में अवश्यक प्रस्तावित संविदा या ठहराव में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में समझदार या हितबद्ध है, अपनी सम्बद्धता या हित के स्वरूप को, बोर्ड की बैठक में प्रकट करेगा।

परन्तु किसी निदेशक के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह कंपनी अधिनियम, 1956 के अधारान्तरात् किसी कंपनी या किसी विदेशी कंपनी के साथ की जाने के लिए प्रस्तावित किसी ऐसी संविदा या ठहराव में अपने संबंध या हित को प्रकट करे, जहाँ उसने संबंध या हित उसकी एकल रूप से अवश्यक बोर्ड के किसी अन्य निदेशक या निदेशकों के साथ अंति कूल मिलाकर ऐसी कंपनी की समावृत्त शेयर वृजि के दो प्रतिशत में अधिक नहीं है।

(2) (क) प्रस्तावित संविदा या प्रबन्ध की दणा में वह, प्रकटीकरण, जो उपविनियम (1) के अधीन बोर्ड के किसी निदेशक द्वारा किया जाना अपेक्षित है, बोर्ड की उस बैठक में, जिसमें संविदा या ठहराव करने के प्रबन्ध पर प्रबन्ध वार विचार किया जाता है अवश्य यदि वह निदेशक उस बैठक की तारीख को प्रस्तावित संविदा या ठहराव से संबद्ध या हितबद्ध नहीं था, तो जब वह इस प्रकार संबद्ध या हितबद्ध हो जाता है, उसके पश्चात् की गई बोर्ड की प्रथम बैठक में किया जाएगा।

(ब) किसी अन्य संविदा या ठहराव की दणा में अपेक्षित प्रकटन, उस निदेशक के उस संविदा या ठहराव से संबद्ध या हितबद्ध हो जाने के पश्चात् ही बोर्ड की प्रथम बैठक में किया जाएगा।

(3) (क) उपविनियम (1) और (2) के प्रयोगम के लिए किसी निदेशक द्वारा बोर्ड को दी गई इस प्रमाण की साधारण सूचना को कि वह किसी विनिर्दिष्ट विवरित निकाय का सदस्य है या किसी विनिर्दिष्ट फर्म का सदस्य है और उसे किसी ऐसी संविदा या ठहराव में, जो उस निगमित निकाय या फर्म के साथ, उस सूचना की तारीख के पश्चात् किया जाए, संबद्ध या हितबद्ध समझा जाए, इस प्रकार की गई किसी संविदा या ठहराव के बारे में संबद्ध या वित का अपेक्षा प्रकटन समझा जाएगा।

(ष) बोर्ड को खंड (क) के अधीन साधारण सूचना देने वाला कोई निदेशक, उसमें की गई विशिष्टियों में ही किसी परिवर्तन की सूचना यथासंभव शीघ्र देगा।

(ग) ऐसी कोई साधारण सूचना भीर उसका कोई भी सबीकरण प्रभावी तभी होगा, जब कि वह, बोर्ड की बैठक में न दिया गया हो या संबंधित निदेशक यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाता है कि सूचना को उसके लिए जाने के पश्चात् बोर्ड की प्रथम बैठक में प्रस्तुत किया जाए और पढ़ा जाए।

(4) बोर्ड का कोई भी निदेशक, निदेशक के रूप में, लघु उद्योग बैंक द्वारा या उसकी ओर से फौंकी गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव पर चर्चा में न तो भाग लेगा और न उस पर मतदान करेगा यदि वह प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में, ऐसी संविदा या ठहराव से संबद्ध या हितबद्ध है, तभी उसकी उपस्थिति ऐसी चर्चा या मतदान के समय गणपूर्ति के प्रयोग के लिए गणना में ली जाएगी, और यदि वह अपना मत देता है तो उसका मत शून्य होगा:

परन्तु इसमें प्रत्यक्षित कोई भी बात, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधारान्तरात् किसी प्रबिल की अपार्टमेंट की अपार्टमेंट के अधिनियम के अधारान्तरात् किसी प्राइवेट कंपनी के साथ की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव को लागू नहीं होगी जो ऐसी किसी प्रबिल कंपनी की समनुचिती है, जिसमें निदेशक का हित एकमात्र:

(i) उसके

(क) ऐसी कंपनी के निदेशक होने में है, और

(ख) उसमें इसी संविदा में या इसने भूल्य के शेररों से अन्वित शेररों के उसके बारक होने में है जो उसे लघु उद्योग बैंक द्वारा ऐसा निदेशक नाम-निर्देशित किए जाने पर उसके एक निदेशक के रूप में सियुक्ति के लिए उसे घर्ष यनाने के लिए मपेशित है, या

(ii) उसके एक ऐसा भवस्य होने में है जो ऐसी कंपनी को समावृत्त, पोयर पूजी का अधिक से अधिक दो प्रतिशत व्यारण करता है।

5. समिलिया (1) अधिनियम की बारा 12 को उपधारा (1) के अधीन गठित कोई भी समिति, उसकी सभी गई अवित्याकारों से अप्रत्यक्ष होगी, जो बोर्ड समय-समय पर बृला हो जाएंगी।

(2) किसी ऐसी समिति की बैठकें भारत में ऐसे स्थान पर, जो बैठक बृला ने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, समय-समय पर बृला हो जा सकेंगी। ऐसी बैठकों के लिए पश्चात् सूचना दी जाएगी।

(3) किसी ऐसी समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति उसके कूल सदस्यों के एक तिहाई से या दो सदस्यों से, बोर्ड में से जो भी अधिक है, होगी (इस एक तिहाई में कोई भी विषय हैन्ते उसे एक के रूप में पूर्णांकित किया जाएगा)।

(4) विनियम 4 का उपबंध किसी ऐसी समिति के प्रत्येक सदस्य को और उसकी बैठकों को विसे दी लागू होने जैसे वह विनियम बोर्ड के प्रत्येक सदस्य और उसकी बैठकों को लागू होता है।

परन्तु यदि किसी ऐसे सदस्य ने विनियम 4 के अधीन बोर्ड को कोई सूचना दी है तो उसके लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह उस उपविनियम के अनुसरण में अपने संबंध या हित का अपार्टमेंट करें।

अध्याय III

निदेशकों और सदस्यों की कीस और भर्ते

६. निवेशकों और समिति के सदस्यों की कीस और भर्ते :

- (1) (i) निदेशक बोर्ड की ऐसी प्रत्येक बैठक के लिए जिसमें वे उपस्थिति होते हैं, 250 या या बोर्ड द्वारा विनिविष्ट अन्य रकम फीस के रूप में प्राप्त करने के हकदार होंगे,
- (2) ग्राहितियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन गठित किसी समिति का प्रत्येक सदस्य, जब तक कि उसे कोई पारिश्रमिक जिसके अन्तर्गत लघु उद्देश से मिलने वाले शाकस्तिक पारिश्रमिक से भिन्न मानवेय भी है, प्रत्येक नहीं होता है, ऐसी समिति की प्रत्येक उस बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थिति होती है, 250 रुपए या बोर्ड द्वारा विनिविष्ट अन्य रकम फीस के रूप में प्राप्त करने का हकदार होगा।

परन्तु अध्यक्षकों या प्रबंध निदेशकों को या किसी निदेशक को, जी भरकार, रिजर्व बैंक या विकास बैंक या किसी परिस्कर सेक्टर के प्रतिष्ठान का अधिकारी है, कोई कीस सदेय नहीं होती।

- (2) ऐसी कीस के अतिरिक्त, निदेशकों और सदस्यों को उनके यात्रा व्ययों की प्रतिपूर्ति ऐसे मापमान या आधार पर की जाएगी जो बोर्ड द्वारा समय-ममता पर विनिविष्ट किया जाए या ऐसे माप मानों पर की जाएगी जिसके लिए निदेशक और सदस्य, यथास्थिति, सरकार, विकास बैंक या रिजर्व बैंक या उन्हें नाम निविष्ट करने वाले संबंधित संगठन में हकदार हैं:

अध्याय IV

साधारण उपचार

७. किसी प्रतिभूति के धारक की मृत्यु पर संदाय :— (1) किसी प्रतिभूति के मृतक एकमात्र धारक के (आहे हित हो, मृत्यु हो, फाररी हो या अन्य कोई हो) निष्पादक या प्रशासक या प्रतिभूति की वाबत भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन जारी किए गए किसी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक वह व्यक्ति या वे व्यक्ति होंगे जिन्हें उस प्रतिभूति में कोई हक लाभने वाले व्यक्ति के रूप में लघु उद्योग बैंक द्वारा मान्यता दी जा सकेगी।

(2) भारतीय संविधा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 45 में किसी बात के होने हुए भी किसी प्रतिभूति की दशा में जो वो या अधिक धारकों, को सदिय है, उत्तरजीवी या उत्तरजीवीनग और, अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उसके निष्पादक, प्रशासक या कोई व्यक्ति जो ऐसी प्रतिभूति की वाबत, उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ही ऐसा व्यक्ति होगा जिसे उस प्रतिभूति पर कोई हक रखनेवाले व्यक्ति के रूप में लघु उद्योग बैंक द्वारा मान्यता दी जा सकेगी।

(3) लघु उद्योग बैंक ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को मान्यता देने के लिए तब तक आवश्यक नहीं होगा जब तक कि उन्होंने भारत में सक्षम व्यापारिय या यथास्थिति, प्रोबेट या प्रशासन-पत्र अधिग्राहन न कर लिया हो।

(4) उपविनियम (1), (2) और (3) में किसी बात के होने हुए भी जहाँ लघु उद्योग बैंक अपने पूर्ण विवेक से यह ठीक समझता है जहाँ लघु उद्योग बैंक के लिए प्रोबेट या प्रशासन पत्र या अन्य विधिक प्रतिनिधित्व पेश करने से, छूट देना विधिपूर्ण होगा। यह छूट अतिपूर्ति के बारे में या अन्यथा ऐसे निवेदनों पर दी जा सकेगी जो बैंक ठीक समझे।

८. वह रीति जिसमें जमाकरताओं या प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा नामनिर्देशन किया जा सकेगा :— (1) विनियम ७ में किसी बात के होने

हुए भी जहाँ कोई प्रतिभूति एक या अन्य व्यक्तियों द्वारा धारित है वही, यथास्थिति, कमात्र धारक या सभी धारक मिलकर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट कर सकेंगे जिन्हें एकमात्र धारक या सभी धारकों की मृत्यु पर ऐसी प्रतिभूति पर शोध रकम का संदाय किया जा सकेगा :

परन्तु जब प्रतिभूति दो या अन्य व्यक्तियों द्वारा धारित है और ऐसी प्रतिभूति के निर्वाचन के निवंधनों में उत्तरजीवी या उत्तरजीवीयों को उत पर शोध रकम के भंडार्य के लिए उपचार है तब नामनिर्देशिती सभी धारकों की मृत्यु पर ही प्रतिभूति पर रकम प्राप्त करने का हकदार होगा।

परन्तु यह और कि इस विनियम की कोई बात किसी ऐसे दावे पर प्रभाव नहीं डालेगी जो किसी मृतक धारक के किसी प्रतिनिधि का प्रतिभूति पर शोध किसी रकम की वाबत नामनिर्देशिती के विरुद्ध हो।

(2) यदि उपविनियम (1) के अधीन दो या अधिक व्यक्ति नामनिर्दिष्ट किए जाते हैं तो प्रतिभूति पर शोध रकम नामनिर्देशितों के बीच नामनिर्देशन में विनिविष्ट रीति में वितरित की जाएगी, और ऐसे विनियोग के अधीन भंडार भंडार में रकम सभी नामनिर्देशितों के बीच बराबर-बराबर वितरित की जाएगी :

परन्तु यह कि यदि कोई नामनिर्देशन विश्वास नहीं है या यदि ऐसा नाम निर्देशन शोध रकम के केवल एक धारक से संबंधित है तो पूर्ण रकम या उसका इस भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है उन व्यक्तियों को संदाय किया जाएगा जो विनियम ७ के उपविनियम (2) के अधीन उसके हकदार हों।

(3) उपविनियम (1) के अधीन कोई नामनिर्देशन, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर इन प्रतिभूतों की अनुसूची-III के प्रका० १ में किया जा सकेगा।

(4) उस प्रतिभूति की वाबत ही कोई नामनिर्देशन किया जा सकेगा जो धारक की व्यापक हैसियत में है उसकी वाबत नहीं जो किसी पद के धारक के रूप में किसी प्रतिनिधिक हैसियत में या अध्यया धारित है ।

(5) जहाँ नामनिर्देशिती अवयस्क है वही, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर नामनिर्देशिती की अवयस्कता के द्वारा प्रतिभूति पर शोध रकम पाने के लिये किसी व्यक्ति को (जो अवयस्क न हो) नियुक्त कर सकेंगे ।

(6) जहाँ प्रतिभूति किसी अवयस्क के नाम में धारित है वही नामनिर्देशन, यदि कोई हो, अवयस्क की और से कार्य करने के लिए विधिक रूप से हकदार व्यक्ति द्वारा किया जायेगा ।

(7) नामनिर्देशन, लघु उद्योग बैंक को इन विनियोगों की अनुसूची-III के प्रका० II में आवेदन प्रस्तुत करके प्रतिस्थापित या रह किया जा सकेगा ।

(8) नामनिर्देशन, या प्रतिस्थापित या किसी नामनिर्देशन का रद्दकरण, लघु उद्योग बैंक वी व्यक्तियों में रजिस्ट्रीकूट किया जायेगा और रजिस्ट्रीकरण का तथ्य प्रतिभूति पर लिखा जायेगा तथा ऐसे रजिस्ट्रीकरण पर, यथास्थिति, नामनिर्देशन, प्रतिस्थापित या रद्दकरण उस तारीख से प्रभावी समझा जायेगा जिसको यह प्रस्तुत किया गया था ।

(9) इस विनियम के अधीन सम्बद्ध रूप से किये गये और रजिस्ट्रीकूट किसी नामनिर्देशन के अधीन प्रतिभूति से संबंधित अधिकारों पर, जो किसी नामनिर्देशिती ने वर्भित किये हैं प्रतिभूति की वाबत हिप्रतिक दिक्षप के जारी किये जाने के कारण प्रभाव नहीं पहेंगा और नामनिर्देशितों को द्विप्रतिक दिक्षप के संबंध में वही अधिकार होंगे जो उसके मूल दिक्षप में हे ।

स्पष्टीकरण :

विनियम ७ और ८ के प्रयोगन के लिये "प्रतिभूति" से अभिप्रेत है :

(क) अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन पूरीपूर्ति कोई डिवेचर,

(ख) भ्रष्टांशियम की धारा 15 की उपकारा (1) के बांध (थ) के अधीन स्वीकृत कोई निषेप, या

(ग) किसी अन्य विधि के अधीन बनाई गई किसी स्कीम के अधीन स्वीकृत कोई अन्य निषेप।

9. लघु उद्योग बैंक पर आबद्धकर संविदायें किस रीति और प्रारूप में निर्वाचित की जा सकेंगी :—(1) लघु उद्योग बैंक को और संविदायें लिखित रूप में की जा सकेंगी । जिन पर बैंक के भभित्यकृत या विक्रित प्रधिकार के अधीन कार्यरत किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे और वे उसी रीति से परिवर्तित या उन्मोहित की जा सकेंगी ।

(2) इस विनियम के उपबन्धों के अनुसार की गई सभी संविदायें विधिमान्य और लघु उद्योग बैंक पर आबद्धकर होंगी ।

10. लघु उद्योग बैंक के लेखे, रसीदें और वस्तावेज किसके द्वारा हस्ताक्षरित होंगी :—लघु उद्योग बैंक के प्रबंध निदेशक, कार्यपालक निदेशकों, महा प्रबंधक, उप महा प्रबंधक, सचिव और भुख्य सेवाकार, प्रबंधक और उप प्रबंधक तथा लघु उद्योग बैंक के ऐसे अधिकारियों को जिन्हें बोर्ड इस निभित प्राधिकृत करे, लघु उद्योग बैंक के लिये और उसकी ओर से कोई संविदा करने और बचत पद, स्टाक-रिच, स्टाक डिवेलपर, शेयर प्रतिशुलियां और मास के हक दस्तावेजों को, जो लघु उद्योग बैंक के नाम में हैं या उसके नाम में धारित हैं या उसके द्वारा धारित हैं, पृष्ठांकित और अन्तरित करने तथा लघु उद्योग बैंक के चालू और प्राधिकृत कारबार में विनियम-पत्र और अन्य लिखते संबंधित अन्य सभी सेवाओं, रसीदों और वस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिये पृष्ठकतः किया जाता है ।

11. वादपत्र आदि किस के द्वारा हस्ताक्षरित किये जायेंगे :—वादपत्र, लिखित कथन, शपथपत्र और विशिक कार्यवाहियों से संबंधित सभी अन्य वस्तावेज लघु उद्योग बैंक की ओर से ऐसे किसी भी अधिकारी

द्वारा हस्ताक्षरित और भव्यापित किये जा सकेंगे जो पूर्वगामी विनियम द्वारा या उसके अधीन लघु उद्योग बैंक के लिये और उसकी ओर से एस्टावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिये सशक्त है ।

12. बंधपत्रों का निर्गमन :—(i) लघु उद्योग बैंक के बंधपत्र या डिवेलपर, प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और/या महा प्रबंधक के द्वारा उन्मोहित किये जा सकेंगे जो मुद्रित, उन्कीर्ण या नियोगाफ किया हुआ या, ऐसी अन्य यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा जिमका लघु उद्योग बैंक निर्देश दे, छापा हुआ हो सकेगा ।

(ii) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लियोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छापा हुआ हस्ताक्षर उसी प्रकार विधिमान्य होगा मात्र वह हस्ताक्षर कर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर में लिखा गया हो ।

13. सामान्य मुद्रा :—लघु उद्योग बैंक की सामान्य मुद्रा बोर्ड के संकल्प के अनुसरण में ही और कम से कम वो निवेशकों की उपस्थिति में ही किसी भी लिखत पर लगाई जायेगी अन्यथा नहीं । इन वो मिवेशकों के अन्तर्गत अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक है, जो अपनी उपस्थिति के प्रतीकस्वरूप, लिखत पर अपने नाम हस्ताक्षरित करेंगे और ये हस्ताक्षर ऐसे किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर से पृथक होंगे जो सार्थी के रूप में उस लिखत पर हस्ताक्षर करे ।

14. तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा :—लघु उद्योग बैंक का वार्षिक लेखा निम्नलिखित रीति में तैयार किया और विद्या जायेगा :

(1) इन विनियमों की अनुसूची 1 और अनुसूची 2 में दिये गये प्रालूपों में साधारण निधि का प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च को तुलन पत्र तथा उस वर्ष के लिये साधा और हानि लेखा, और

(ii) इन विनियमों की अनुसूची 1 और 2क में दिये गये प्रालूपों में लघु उद्योग विकास सहायता निधि का प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को तुलन-पत्र तथा उस वर्ष के लिये साधा और हानि लेखा

साधारण निधि

अनुसूची 1

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च.....को तुलन पत्र

पूर्व वर्ष

वायित्व

इस वर्ष

६.

४.

1. पूर्जी :

प्राधिकृत
पुरोषत और समाप्त

2. भारक्षितियां और निधियां

- (1) आरक्षित निधि
- (2) आरक्षितियां
- (3) राष्ट्रीय इकिवटी निधि
- (4) अन्य निधियां

3. लाभ, अनुदान, संदान और उपकृतियां

- (1) सरकार से
- (2) अन्य स्रोतों से

4. वंश पत्र और डिवेलपर

5. निषेप

6. उद्धार :

मनुष्यकी 1 (जारी)

शायित्व

पूर्ण वर्ष

इस वर्ष

- (1) भारतीय रिजर्व बैंक से
- (क) स्टाट निवियों और अन्य न्यासी प्रतिशूलियों द्वारा प्रतिशूलि
 - (ख) विनियोग पदों या वक्तव्यपत्रों द्वारा प्रतिशूलि
 - (ग) राष्ट्रीय शौद्धीगिक प्रत्यय (वीर्बंकालिक प्रत्यर्थ)
- निधि में से
- (2) भारत सरकार से :
- (क) आजमुक्त उधार
- (ख) विदेशी उधार-अवकस्था मद्दे
- (ग) अन्य उधार
- (3) भारतीय शौद्धीगिक विकास बैंक से :
- (क) वकाया निवेश सूची भावि
के अंतरण मद्दे
 - (ख) अन्य उधार
- (4) अन्य ओरों में
- (5) विदेशी मुद्रा में

7 आलू शायित्व और उपबंध

8. लाभ और हानि लेखा :

संलग्न लेखे से घंटेरित लाभ का अतिशेष

घटाइए : विनियोजन

घटाइए: भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 की घारा 29(2) के निवारणों के भनुसार विकास बैंक को अंतर्राष्ट्रीय अतिशेष

समाप्ति शायित्व :

- (1) बैंक के विद्यु वाते जो छाणों के रूप में अभिस्वीकृत रही हैं
- (2) प्रतिशूलि प्रत्याशुलियों के कारण
- (3) निमाकन वचन वद्यताभों के कारण
- (4) घंटातः संवत्स शेयरों, डिवेंचरों भावि पर भागी न गई राशियों के कारण
- (5) वे अनराशिया जिनके लिए बैंक समाप्ति रूप से वारी हैं

साधारण निधि

प्राप्तिशेष

पूर्ण वर्ष

इस वर्ष

1. नकदी और बैंक अतिशेष :

(1) हाथ में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशेष

(2) अन्य बैंकों में अतिशेष :

(क) आलू खाते में

(ख) निक्षेप खाते में

सांघारण निधि

प्रनुभूती (1) (जारी)

पूर्व वर्ष

मासितया

इस वर्ष

2. विनिधान : *

- (1) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में
- (2) वित्तीय संस्थाओं के स्टाकों, शेयरों, बंधवलों और हिलेचरों में
- (3) शौधोगिक समुदायों के स्टाकों, शेयरों, बंधवलों और हिलेचरों में

3. उदाहर और अधिग्रहण :

- (1) अनुचित वैकों, राज्य सरकारी बैंकों और श्रम्य वित्तीय संस्थाओं को
- (2) शौधोगिक समुदायों को

4. मितिकाटे पर भुनाइ गए या मितिकाटे पर पुनः भुनाए गए विनिमय पद्धति और वरचनपद्धति:

5. परिसर

(लागत में से अवक्षयण घटाकर)

*यदि बाजार मूल्य उही मूलर से कम है तो बाजार मूल्य घटित किया जाए।

6. अन्य स्पिर आसितया :

(लागत में से अवक्षयण घटाकर)

7. अन्य आसितया

8. लाभ और हानि लेखा

(पिछले तुलन-पद्धति का अस्तिषेष संलग्न लेखे से अंतरित लाभ/हानि

सांघारण निधि

प्रनुभूती II

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च 1980 को समाप्त हुए

वर्त का साथ और हानि लेखा

पूर्व वर्ष

इस वर्ष

व्यय

1. निक्षेपण, उदारों आदि पर संबंध व्याज
2. स्थापन व्यय
3. निदेशकों और समिति के सदस्यों की फीस और व्यय
4. लेखा-परीक्षाओं की फीस
5. किराया, कर, शीता, फ्रेगेंस-व्यवस्था आदि
6. विविध प्रभार
7. डॉक महसूल, तार और टिकट
8. लेखन-सामग्री, मुद्रण, विज्ञापन आदि
9. अवक्षयण
10. विनिधानों के विक्रय पर शुद्ध हानि (जो आरक्षितियों में या किसी विशिष्ट निधि या जारी में नामे नहीं शाली गई है)
11. अन्य व्यय
12. तुलन-पद्धति से जाया गया लाभ अस्तिषेष

साधारण निधि

अनुसूची II (जारी)

पूर्व वर्ष

ग्राम

इस वर्ष

—

—

(वर्ष के दौरान इबर से और शंकास्पद झट्टों के लिए किए गए उपबंध और अन्य भावग्रन्थक और सर्वीसीन उपबंधों को घटाइए)

1. आजम और मितीकाटा
2. विसिधानों से ग्राम
3. कर्मीजन, दलाली भावि
4. विनिधानों के विक्रय से शुद्ध लाभ (जो भारतीयों में या किसी विशिष्ट लिंगिया जाते में जमानहीं किया गया है)
5. अन्य ग्राम
6. तुलन-पत्र में ले जाया गया हानि अनिश्च

—

—

लघु उद्योग विकास सहायता निधि

अनुसूची I "क"

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
31मार्च...को तुलन पत्र

वायित्व

इस वर्ष

पूर्व वर्ष

—

1. आरक्षितियाँ और निधियाँ :
 - (1) आरक्षित निधि
 - (2) अन्य निधियाँ
 - (3) आरक्षितियाँ
2. उद्यार :
 - (1) भारत सरकार से
 - (2) अन्य स्रोतों से
3. लाभ, अनुदान, संदान और उपकृतियाँ :
 - (1) सरकार से
 - (2) अन्य स्रोतों से
4. ग्राम वायित्व और उपबंध
5. लाभ और हानि खेत्र :

पिछले तुलन-पत्र का अतिशेष
संलग्न लेख से अनुरित लाभ हानि

—

—

पूर्व वर्ष

इस वर्ष

—

समाप्ति वायित्व :

1. बैंक के विरुद्ध दोषे और झट्टों के रूप में अधिस्वीकृत नहीं हैं
2. प्रतिश्रूत प्रत्याभूतियों के कारण
3. निम्नोक्त वर्षमव्वद्वालाओं के कारण
4. अंगतः संवत्स शेयरों, डिवेंचरों भावि पर
मांगी गई ब्लैकार्डियों के कारण
5. वे अमराशिया जिनके लिए बैंक समाप्ति रूप से दायी हैं।

पूर्व वर्ष

आस्तियाँ

इस वर्ष

—

1. नकदी और बैंक अतिशैव :
 - (1) हानि में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशैव

लंबु उद्योग विकास सहायता निधि

मनुसूची II “क”

भारतीय लंबु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च... को समाप्त हुए वर्ष

पूर्व वर्ष

व्यय

का लाभ और हानि लेखा

इसवर्ष

— — — — —

— — — — —

(2) अन्य बैंक में प्रतिशेष :

- (क) चालू जाते में
- (ज) निक्षेप जाते में

2. विनिधान :

- (1) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में
- (2) आधिकारिक समूहानों के स्टाकों, गेयरों, बंधपत्रों और डिवेलरों में

3. अद्य और अधिक राशियाँ - - -

4. अन्य आस्तियाँ

5. लाभ और हानि लेखा :

पिछले तुलन-पत्र का प्रतिशेष
संलग्न लेखे से घंतरित किया गया लाभ/हानि

1. उधार पर संवत्सर व्याप

2. स्थापन व्यय

3. लेखा-परीक्षकों की कीमि

4. किराया, कर, बीमा, प्रकाश-प्रयोगस्था आदि

5. वित्तिक प्रभार

6. ड्राक महसूस, लार और टिकट

7. लेखन-सामग्री मुद्रण विज्ञापन भारि

8. विनिधानों के विकाय पर शुद्ध हानि (जो भारतियों में या किसी विशिष्ट निधि या जाते में नामे नहीं ढाली गई है)।

9. अन्य व्यय

10. तुलन-पत्र में ने जाया गया लाभ प्रतिशेष

आय :

(वर्ष के दौरान इक्विट और शंकास्पद जहाजों
के लिए किए गए उपकरण और अन्य आवश्यक
और सभीचीन उपकरणों को बटाइए)

1. व्याप

2. विनिधानों से आय

3. कर्मीयन, वसानी आदि

4. विनिधानों के विकाय से शुद्ध लाभ

(जो भारतियों में या किसी विशिष्ट
निधि या जाते में जमा नहीं किया गया है)

5. अन्य आय

6. तुलन-पत्र में ले जाया गया हानि प्रतिशेष

पद्मशुभ्री III

(विविधम् ६ दैर्घ्य)

प्रश्न-III

नामनिर्देशन/नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन का प्रश्न

1. मैं/हम _____ (धारक/धारकों का/के नाम) निम्नलिखित व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट करता हूँ/करते हैं जिस/जिनको मेरी/हमारी अवयस्क धारक की मृत्यु हो जाने की बात में नीचे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर शोध रकम संदर्भ की जाएः—

क्रमसं.	वर्णन	सुनिश्च	निर्गमन की तारीख	अकित
1.				मृत्य
2.				
3.				

नामनिर्देशिती

नाम	पता	जामन-तिथि (यदि नामनिर्देशिती अवयस्क है)	संबैय रकम का प्रतिशत*
1.			
2.			
3.			

2. ऊपर तम से— पर नामनिर्देशिती अवयस्क है/है इसलिए मैं, श्री/मां/मारी— (नाम और पूरा पता) को मेरी/हमारी/अवयस्क धारक की ऐसे नामनिर्देशिती/नामनिर्देशिती को अवयस्कता के बौद्धन मृत्यु हो जाने की बात में प्रतिभूतियों पर शोध रकम को प्राप्त करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ/करते हैं।
+यह नामनिर्देशन मेरी/हमारे द्वारा तारीख— को किए गए नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में है जो लघु उद्योग वैक की विहितों में—
को रजिस्ट्रीकूल है पूर्ववर्ती नामनिर्देशन इस नामनिर्देशन के रजिस्ट्रीकरण पर ऐसा हो जाएगा।

††(धारक के हस्ताक्षर)

स्वामी:	तारीख:	वाक्यों के हस्ताक्षर और पते
1.		
2.		

* इस स्तम्भ में प्रत्येक नामनिर्देशिती को संबैय कुल रकम का प्रतिशत लिखें।

† इस पैरा को तब काट दें जब नामनिर्देशन किसी अवयस्क के पक्ष में नहीं है।

†† इस पैरा को तब काट दें जब नामनिर्देशन पहले किए गए नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में नहीं है।

††† यदि प्रतिभूति किसी अवयस्क के नाम में घासित है तो नामनिर्देशन पर अवयस्क की ओर से कार्य करने के लिए विधिपूर्वक लक्ष्यार्थी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

प्रश्न-IV

नामनिर्देशन के रद्दकरण का प्रारूप

मैं/हम _____ (धारक/धारकों का/के नाम) मेरी/हमारे द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बाबत तारीख— को किए गए, प्रीर— को रजिस्ट्रीकूल नामनिर्देशन को इसके द्वारा रद्द करता हूँ/करते हैं।

क्रमसं.	वर्णन	मिश्न सञ्चालक	निर्गमन की तारीख	अकित मृत्यु,
1.				
2.				
3.				
4.				

स्वामी:	तारीख:	वाक्यों के हस्ताक्षर और पते

†(धारक के हस्ताक्षर)

(धारक का नाम)

वाक्यों के हस्ताक्षर और पते
1.
2.

पाद टिप्पणः— प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय श्रोतुगिक विकास बैंक ने 12 जून, 1990 के प्रत्येक द्वारा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक सामान्य विभिन्न, 1990 को अनुभोवन प्रदान किया है।

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK
OF INDIA**
(General Regulations, 1990)
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 25th October, 1990

F. No. 3144|CAD. Bond|General Regulations.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 52 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Board of Directors of Small Industries Development Bank of India hereby make the following Regulations, namely :—

CHAPTER I

INTRODUCTORY

1. Short Title.—These Regulations may be called the Small Industries Development Bank of India General Regulations, 1990.

2. Definitions.—In these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context :—

- (a) “the Act” means the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989).
- (b) “Member” means member of any Committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act.
- (c) (i) other expressions used but not defined in these Regulations and used in the Act have the meanings respectively assigned to them for the purposes of the Act ;
- (ii) other expressions used but not defined, either in these Regulations or in the Act shall have the meanings, if any, respectively assigned to them in the Industrial Development Bank of India Act, 1964.

CHAPTER II

MEETINGS OF BOARD AND COMMITTEE

3. Meetings of the Board.—(i) Meetings of the Board shall be convened by the Chairman or the Managing Director or, in their absence, by an Executive Director or General Manager of Small Industries Bank nominated by the Chairman or the Managing Director in this behalf, at least once in each quarter of its financial year.

(ii) Any four directors may require the Chairman or the Managing Director to convene a meeting of the Board, at any time and he shall forthwith convene a meeting accordingly.

(iii) Meetings of the Board shall be held at such place in India as may be specified in the notice convening the meeting.

(iv) At least ten clear days notice shall be given of each meeting of the Board and such notice shall be sent to every director at his registered address. Should it be found necessary to convene an emergency meeting, sufficient notice shall be given to every director in India to enable him to attend.

(v) No business other than that for which the meeting was convened shall be discussed at a meeting of the Board, except with the consent of the person presiding at the meeting and a majority of the directors present, unless one clear week's notice has been given of the same in writing to the Chairman or the Managing Director.

(vi) Quorum for the transaction of business of the Board shall be one-third of the total appointed strength of the Board (any fraction contained in that one-third being rounded off as one), or four directors, whichever is higher.

(vii) A copy of the proceedings of each meeting of the Board shall be circulated as soon as possible thereafter for the information of the directors and shall be signed by the person presiding at that or the next succeeding meeting.

4. No director to deal with matters with which he is personally concerned or interested.—(1) Every director of the Board who is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in a contract or arrangement, or proposed contract or arrangement, entered into or to be entered into, by or on behalf of the Small Industries Bank, shall disclose the nature of his concern or interest at a meeting of the Board :

Provided that it shall not be necessary for a director to disclose his concern or interest in any such contract or arrangement proposed to be entered into with a company or a foreign company within the meaning of the Companies Act, 1956, where the concern or interest consists only in his holding either singly or together with any other director or directors of the Board in the aggregate not more than two per cent of the paid-up share capital in such company.

(2) (a) In the case of a proposed contract or arrangement, the disclosure required to be made by a director of the Board under sub-regulation (1) shall be made at the meeting of the Board at which the question of entering into contract or arrangement is first taken into consideration, or if the director was not at the date of that meeting concerned or interested in the proposed contract or arrangement at the first meeting of the Board held after he becomes so concerned or interested.

(b) In the case of any other contract or arrangement the required disclosure shall be made at the first meeting of the Board held after the director becomes concerned or interested in the contract or arrangement.

(3) (a) For the purpose of sub-regulations (1) and (2) a general notice given by a director to the Board to the effect that he is a director or a member of a specified body corporate or is a member of a specified firm and is to be regarded as concerned or interested in any contract or arrangement which may, after the date of the notice, be entered into with that body corporate or firm, shall be deemed to be a sufficient disclosure or concern or interest in relation to any contract or arrangement so made.

(b) A director giving general notice to the Board under clause (a) shall, as soon as possible, give notice of any change in the particulars contained therein.

(c) No such general notice, and no renewal thereof, shall be of effect unless either it is given at a meeting of the Board or the director concerned takes reasonable steps to secure that it is brought upon and read at the first meeting of the Board after it is given.

(4) No director of the Board shall as a director take any part in the discussion of, or vote on, any contract or arrangement entered into or to be entered into by or on behalf of the Small Industries Bank, if he is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in such contract or arrangement; nor shall his presence count for the purpose of forming a quorum at the time of such discussion or vote; and if he does vote, his vote shall be void:

Provided that nothing herein contained shall apply to any contract or arrangement entered into or to be entered into with a public company within the meaning of the Companies Act, 1956, or a private company within the meaning of that Act which is a subsidiary of any such public company in which the interest of the Director consists solely:—

(i) in his being

(a) a director of such company and
 (b) the holder of not more than shares of such number or value therein as is requisite to qualify him for appointment as a director thereto, he having been nominated as such director by the Small Industries Bank, or

(ii) in his being a member holding not more than two per cent of the paid-up share capital of such company.

5. Committees.—(1) Any Committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act shall, in the exercise of the powers entrusted to it, be bound by such general or special directions as the Board may give from time to time.

(2) Meetings of any such Committee may be convened from time to time at such place in India as may be specified in the notice convening the meetings. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(3) The quorum for the meeting of any such Committee shall be one-third of its strength (any fraction contained in that one-third being rounded off as one) or two members, whichever is higher.

(4) The provision of Regulation 4 shall apply to every member and to meetings of any such committee in the same manner as that Regulation applies to every Director and to meetings of the Board:

Provided that if any such member has given any notice under Regulation 4 to the Board, it shall not be necessary for him to further disclose his concern or interest in pursuance of this sub-regulation.

CHAPTER III

FEES AND ALLOWANCES OF DIRECTORS AND MEMBERS

6. Fees and allowances of directors and members of the Committees.—(1) (i) The directors shall be entitled to receive a fee of Rs. 250 or such other amount as may be specified by the Board for each meeting of the Board which they attend;

(ii) every member of any committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act shall, unless he is in receipt of any remuneration, including honorarium, other than casual remuneration, from the Small Industries Bank be entitled to receive fee of Rs. 250 or such other amount as may be specified by the Board for each meeting of such committee, which he attends.

PROVIDED THAT no fees shall be payable to the Chairman or to the Managing Director or to any director, who is an official of the Government, the Reserve Bank or the Development Bank or any public sector organisation.

(2) In addition to such fee, directors and members shall be reimbursed their travelling expenses on such scales or basis, as may be specified by the Board from time to time, or on such scales, which the directors and members are entitled to in the Government, Development Bank, or Reserve Bank or the respective organisation nominating them, as the case may be.

CHAPTER IV

GENERAL PROVISIONS

7. Payment on the death of the holder of a security.—(1) The executors or administrators of a deceased sole holder of a security (whether a Hindu, Mohammedan, Parsi or otherwise) or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) in respect of the security shall be the only person or persons who may be recognised by the Small Industries Bank as having any title to the security.

(2) Notwithstanding anything contained in Section 45 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872), in the case of a security held payable to two or more holders, the survivor or survivors and, on the death of the last survivor, his executors, administrators, or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such security shall be the only person who may be recognised by the Small Industries Bank as having any title to the security.

(3) The Small Industries Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration, as the case may be, from the competent court or office in India.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1), (2) and (3), where the Small Industries Bank in its absolute discretion deems fit, it shall be lawful for the Small Industries Bank to dispense with the production of probate or letters of administration or other legal representation in any case, upon such terms as to indemnity or otherwise, as it may deem fit.

8. Manner in which nomination may be made by depositors or holders of securities.—(1) Notwithstanding anything contained in Regulation 7, where any security is held by one or more persons, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may nominate any person or persons to whom, in the event of the death of the sole holder or the death of all the holders, the amount due on such security may be paid :

Provided that when the security is held by two or more persons and the terms of issue of such security provide for payment of the amount due thereon to the survivor or survivors, the nominee shall become entitled to receive the amount on the security only on the death of all the holders;

Provided further that nothing contained in this Regulation shall affect any claim which any representative of a deceased holder may have against the nominee in respect of any amount due on the security.

(2) If two or more persons are nominated under sub-regulation (1), the amount due on the security shall be distributed amongst the nominees in the manner specified in the nomination, and in the absence of such specification, the amount shall be distributed equally among all the nominees :

Provided, however, that if no nomination subsists or if such nomination relates only to a part of the amount due, the whole amount or part thereof to which the nomination does not relate, shall be paid to the persons who may be entitled thereto under sub-regulation (2) of Regulation 7.

(3) A nomination under sub-regulation (1) may be made by the sole holder or, as the case may be, all the holders together in Form I of Schedule III to these Regulations.

(4) A nomination may be made only in respect of the security which is held in the individual capacity of the holder and not in any representative capacity as the holder of an office or otherwise.

(5) Where the nominee is a minor, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may appoint any person (not being a minor) to receive the amount due on the security during the minority of the nominee.

(6) Where the security is held in the name of a minor, the nomination, if any, shall be made by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

(7) A nomination may be substituted or cancelled by submitting an application to the Small Industries Bank in Form II of Schedule III to these Regulations.

(8) A nomination or a substitution or a cancellation of a nomination shall be registered in the books of the Small Industries Bank and the fact of registration shall be noted on the security and, on such registration, the nomination, substitution or cancellation, as the case may be, shall be deemed to be effective from the date on which it was submitted.

(9) The rights, which a nominee has acquired in relation to the security under a nomination duly made and registered under this regulation, shall not be affected by reason of the issue of a duplicate scrip in respect of the security and the nominee shall have the same rights in relation to such duplicate scrip as he had in relation to the original scrip.

Explanation :

For the purpose of Regulations 7 and 8 "Security" means—

- (a) any debenture issued under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Act;
- (b) any deposit accepted under clause (d) of sub-section (1) of Section 15 of the Act, or
- (c) any other deposit accepted under a scheme made under any other law.

9. Manner and form in which contracts binding on the Small Industries Bank may be executed.—(1) Contracts on behalf of the Small Industries Bank may be made in writing, signed by any person acting under its authority, express or implied, and may in the same manner be varied or discharged.

(2) All contracts made according to the provisions of this Regulation shall be valid and binding on the Small Industries Bank.

10. Accounts, receipts and documents of the Small Industries Bank by whom to be signed :—The Managing Director, the Executive Directors, the General Managers, the Deputy General Managers, the Secretary and Chief Accountant, Manager and Dy. Manager and such officers of the Small Industries Bank as the Board may authorise in this behalf are severally empowered for and on behalf of the Small Industries Bank to execute any contract and to endorse and transfer promissory notes, stock-receipts, stock, debentures, share securities and documents of title to goods, standing in the name of or held in the name of or held by the Small Industries Bank, and to draw, accept and endorse bills of exchange and other instruments in the current and authorised business of the Small Industries Bank and to sign all other accounts, receipts and documents connected with such business.

11. Plaunts, etc. by whom to be signed.—Plaunts, written statements, affidavits and all other documents connected with legal proceedings may be signed and verified on behalf of the Small Industries Bank by

any officer empowered by or under the preceding Regulation to sign documents for and on behalf of the Small Industries Bank.

12. Issue of bonds.—(i) The bonds or debentures of the Small Industries Bank shall be issued over the signature of the Managing Director or in his absence, by an Executive Director and/or a General Manager, which may be printed, engraved or lithographed or impressed by such other mechanical process as the Small Industries Bank may direct.

(ii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be valid as if it had been inscribed in the proper handwriting of the signatory himself.

13. Common Seal.—The Common Seal of the Small Industries Bank shall not be affixed to any instrument except in pursuance of a resolution of the Board and in the presence of at least 2 directors in-

cluding the Chairman or the Managing Director who shall sign their names to the instrument in token of their presence, and such signing shall be independent of the signing of any person who may sign the instrument as a witness.

14. Balance Sheet & Profit & Loss Account.—The annual accounts of the Small Industries Bank shall be prepared and set out in the following manner :

- (i) a balance sheet as on the 31st March of each year, and a profit and loss account for that year, of the General Fund, in the forms in Schedule I and II to these Regulations; and
- (ii) a balance sheet as on the 31st March of each year and profit and loss account for the year, of the Small Industries Development Assistance Fund in the forms in Schedule IA and IIA to these Regulations.

GENERAL FUND

SCHEDULE I

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA BALANCE SHEETS AS AT 31ST MARCH.....

Previous Year	LIABILITIES	This Year
Rs.		Rs.
	1. CAPITAL : Authorised Issued and Paid-up	
	2. RESERVES AND FUNDS (i) Reserve Fund (ii) Reserves (iii) National Equity Fund (iv) Other Funds	
	3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACTIONS : (i) From Government (ii) From other sources	
	4. BONDS AND DEBENTURES :	
	5. DEPOSITS :	
	6. BORROWINGS: (i) From Reserve Bank of India : (a) Secured against stocks funds and other trustee securities (b) Secured against bills of exchange or promissory notes (c) Out of National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
	 (ii) From Government of India (a) Interest free loan	

- (b) Against foreign lines of credit
 - (c) Other loans
 - (iii) From Industrial Development Bank of India :
 - (a) Against transfer of outstanding portfolio
 - (b) Other borrowings
 - (iv) From other sources
 - (v) In foreign currency
7. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:
8. PROFIT AND LOSS ACCOUNT :
- Balance of Profit transferred from the account annexed :
- Less appropriations
 - Less balance transferable to the Development Bank in terms of Section 29(2) of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989

CONTINGENT LIABILITIES :

- (i) Claims against the Bank not acknowledged as debts
 - (ii) On account of guarantees issued
 - (iii) On account of underwriting commitments
 - (iv) On account of uncalled moneys on partly paid shares, debentures, etc.
 - (v) Moneys for which the Bank is contingently liable
-

GENERAL FUND

**SCHEDULE I (Contd.)
ASSETS**

Previous Year — Rs.	This Year — Rs.
1. CASH AND BANK BALANCES:	
(i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India	
(ii) Balances with other banks:	
(a) On current account	
(b) On deposit account	
2. INVESTMENTS@ :	
(i) In securities of Central and State Governments	
(ii) In stocks, shares, bonds and debentures of financial institutions	
(iii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns	
3. LOANS AND ADVANCES	
(i) To scheduled banks, State Co-operative banks and other financial institutions	
(ii) To industrial Concerns	

4. · BILLS OF EXCHANGE AND PROMISSORY NOTES DISCOUNTED
OR REDISCOUNTED:
5. PREMISES
(at cost less depreciation)
6. OTHER FIXED ASSETS:
(at cost less depreciation)
7. OTHER ASSETS:
8. PROFIT AND LOSS ACCOUNT:
Balance from last balance sheet Profit/Loss transferred from the account annexed
-
-
-

@Total market value to be indicated in case it is lower than the book value.

GENERAL FUND

SCHEDULE II
SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA
PROFIT AND LOSS ACCOUNT
YEAR ENDED 31ST MARCH

Previous Year	EXPENDITURE	This Year
		Rs.
1.	Interest paid on Deposits, Borrowings, etc.	
2.	Establishment expenses	
3.	Directors' and Committee Members' fees and expenses	
4.	Auditors' fees	
5.	Rent, Taxes, Insurance, Lighting , etc.	
6.	Law charges	
7.	Postage, Telegrams and Stamps	
8.	Stationery, Printing, Advertisement, etc.	
9.	Depreciation	
10.	Net loss on sale of investments (not debited to reserves or any particular fund or account)	
11.	Other expenditure	
12.	Balance of profit carried to Balance Sheet	

GENERAL FUND**SCHEDULE II (CONTD.)**

Previous Year	Income	This Year
		Rs.
(Less provision made during the year for bad and doubtful debts and other necessary and expedient provisions)		
1. Interest and Discount		
2. Income from investments		
3. Commission, Brokerage, etc.		
4. Net profit on sale of investments (not credited to reserve or any particular fund or account)		
5. Other income		
6. Balance of loss carried to Balance Sheet		

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT ASSISTANCE FUND

SCHEDULE 1 A
SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH—

Previous Year	LIABILITIES	This Year
		Rs.
1. RESERVES AND FUNDS		
	(i) Reserve Fund	
	(ii) Other Funds	
	(iii) Reserves	
2. LOANS		
	(i) From Government	
	(ii) From other sources	
3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACtIONS		
	(i) From Government	
	(ii) Other sources	
4. OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS		
5. PROFIT AND LOSS ACCOUNT		
	Balance from last balance sheet	
	Profit /Loss transferred from the account annexed	

CONTINGENT LIABILITIES

- (i) Claims against the Bank not acknowledged as debts
- (ii) On account of guarantees issued
- (iii) On account of underwriting commitments
- (iv) On account of uncalled moneys on partly-paid shares, debentures, etc.
- (v) Moneys for which the Bank is contingently liable

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT ASSISTANCE FUND**SCHEDULE I A**

Previous Year Rs.	ASSETS	This Year Rs.
1. CASH AND BANK BALANCES :		
	(i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India	
	(ii) Balances with other Banks:	
	(a) On Current account	
	(b) On deposit account	
2. INVESTMENTS :		
	(i) In securities of Central and State Governments	
	(ii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns	
3. LOANS AND ADVANCES:		
4. OTHER ASSETS		
5. PROFIT AND LOSS ACCOUNT:		
	Balance from last balance sheet	
	Profit/loss transferred from the account annexed	

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT ASSISTANCE FUND**SCHEDULE II A**

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA
PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR
ENDED 31ST MARCH**

Previous Year Rs.	EXPENDITURE	This Year Rs.
1. Interest paid on Borrowings		
	2. Establishment Expenses	

3. Auditors' Fees
4. Rent, Taxes, Insurance, Lighting, etc.
5. Law Charges
6. Postage, Telegrams and Stamps
7. Stationery, Printing, Advertisement, etc.
8. Net loss on Sale of Investment (not debited to reserves or any particular Fund or account)
9. Other Expenditure
10. Balance of Profit carried to Balance Sheet

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMNT
ASSISTANCE FUND**

SCHEDULE II A (CONTD.)

Previous Year Rs.	INCOME	This Year Rs.
(Less provision made during the year for bad and doubtful debts and other necessary and expedient provisions)		
		Rs.
1. Interest		
2. Income from Investments		
3. Commission, Brokerage, etc.		
4. Net profit on Sale of Investments (not credited to reserves or any particular fund or account)		
5. Other income		
6. Balance of loss carried to Balance Sheet		

SCHEDULE III

(See Regulation 8)

Form - I

Form of nomination/substitution of nomination

1. I/We, nominate the following person(s) to whom
(Name/s of the holder(s))

in the event of my/our/minor holder's death, the amount due on the securities specified below may be paid:

Sr.	Description	Distinctive Numbers	Date of Issue	Face value
-----	-------------	------------------------	---------------	------------

1.
2.
3.

NOMINEE(S)

Name	Address	Date of Birth (if the nominee is a minor)	Percentage of amount payable
------	---------	---	---------------------------------

1.
2.
3.

2. *As the nominee(s) at serial No((s)).....above is/are minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari(as the person to receive the amount
 (Name and full address)

due on the securities in the event of my our/minor holder's death during the minority of such nominee(s)

3. --**This nomination is in substitution of the nomination dated..... made by me/us and registered in the books of the Small Industries Bank on.....which shall stand cancelled on registration of this nomination.

***(Signature of the holder)

Place :

Date:

Signature and Addresses of witnesses:

- 1.
2. Indicate in this column the percentage of total amount payable to each nominee
 * Strike out this paragraph when the nomination is not in favour of a minor
 ** Strike out this paragraph when the nomination is not in substitution of one already made.
 *** If security is held in the name of a minor, the nomination has to be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

FORM - II

Form of cancellation of nomination

I/we.....do hereby cancel the nomination dated.....
 (Name/s of the holder(s))

made by me/us in respect of the securities specified below and registered on.....

Sr. No.	Description	Distinctive Numbers	Date of Issue	Face Value
1.				
2.				
3.				
4.				

Place :

Date :

*(Signature of the holder)

.....(Name of the holder)

Signatures and addresses of
witnesses

- 1.
 - 2.
- *If the security is held in the name of a minor, cancellation of nomination should be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

Foot Note : Certified that Industrial Development Bank of India have given approval to the Small Industrial Development Bank of India General Regulations, 1990 vide their letter dt. June 12, 1990.

(४) (क) बधायन लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबंधन निदेशक के या उसकी अपवाहनी में किसी कार्यपालक समंजसक और/या उसके महाप्रबंधक के इनामकर से निर्गमित किया जाएगा तो मुश्तित, उचित विधों किया हृष्टा या विकास बैंक के निवेशन गार किसी प्रतिक्रिया द्वारा लापा होगा।

(ख) हय प्रकार मुत्तित, उचित विधों किया हृष्टा या अस्थव्याधा हृष्टा हृष्टा हस्ताक्षर उर्ती प्रकार विधिमात्र होगा मानो वह हस्ताक्षरकर्ता के आगे ही उचित इस्तेव्य में विधा यथा है।

(५) बबतपत्र के रूप में किसी बंधपत्र का कोई भी पृष्ठाकान या द्वारा प्रमाणपत्र के रूप में किसी कधपत्र के भागों में अंतरण की कोई विषयत तब तक विधिमात्र नहीं होती जब तक वह धारक के या सम्बद्ध क्षण से गठित उसके अटनी या प्रतिनिधि के इनामकर में न की गई हो, ऐसी विधित किसी बंधपत्र की वशा में स्वयं बंधपत्र के पृष्ठ पर बबतपत्र के रूप में आगे किसी स्टाक प्रमाणपत्र की वशा में अवश्य की विषयत पर विद्धी जाएगी।

4. न्यास मान्यवाचार नहीं है।—(क) लघु उद्योग विकास बैंक की किसी न्यास या किसी बंधपत्र की वशा धारक के उपर पूर्ण अधिकार से भिन्न अधिकार यो भले ही उग्रों उमड़ी भूत्ता हो, मान्यता देने के लिए आध्य या विवश नहीं किया जाएगा।

(ख) उप विनियम (१) के उपब्रो पर प्रतिकूल प्रभाव द्वारे बिना लघु उद्योग विकास बैंक, अनुप्रद के लिए पर और अपने किसी वायिल के बिना, स्टाक के रूप में निर्गमित किसी बंधपत्र के धारक द्वारा, स्टाक के व्याज पर या परिवर्तना मूल्य के संदर्भ या स्टाक के अंतरण या उसके संबंध में ऐसी वातां पर निर्देश दिनहूं लघु उद्योग बैंक उचित समझे, अपनी वहियों में अविनियित कर मरेगा।

5. न्यासियों और पदधारकों द्वारा स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित बंधपत्र धारण करने के लिए उपबन्धः—(१) कोई पदधारक स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में कोई बंधपत्र।

(क) अपने वैयक्तिक नाम में, जिमका लघु उद्योग बैंक की वहियों और स्टाक प्रमाणपत्र में न्यासी के रूप में वर्णन है, उसके आवेदन में विनियिट न्यास के न्यासी के रूप में या किसी ऐसी अहता के बिना न्यासी के रूप में, या

(ख) अपने पद के नाम से, धारण कर मरेगा।

(२) उम व्यवित द्वारा जिमके नाम में बंधपत्र है, लघु उद्योग बैंक द्वारा अपेक्षित प्रश्नों में लघु उद्योग बैंक को किए गए विवित आवेदन पर और बंधपत्र के अध्यर्पण पर लघु उद्योग बैंक—

(क) उसे अपनी वहियों में किसी विनियिट न्यास के न्यासी के रूप में या किसी न्यास के विनियेश के बिना न्यासी के रूप में प्रविष्ट कर मरेगा, और व्याख्यानि, न्यास के विनियेश के बिना, न्यासी के रूप में उल्लिखित उसके नाम में स्टाक प्रमाणपत्र जारी कर मरेगा, या

(ख) उसे उसके पद नाम में स्टाक प्रमाणपत्र जारी कर मरेगा और उसे अपनी वहियों में, आवेदन के अनुरूप के अनुसार उसके पद नाम में स्टाक के धारक के रूप में उल्लिखित करने हुए प्रविष्ट कर मरेगा, परन्तु यह नव जब

(i) उक्त अनुरूप इस विनियम के उम विनियम (१) के उपबन्धों के अनुलेप है,

(ii) उप विनियम (२) के निवंधनों के अनुसार लघु उद्योग बैंक द्वारा आवेदन व्यवधान साध्यपेश कर दिया गया है और

(iii) यदि, अवधार बंधपत्र के रूप में है तो यह लघु उद्योग बैंक के नाम पृष्ठापित कर दिया गया है और विव

बंधपत्र स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में है तो उमकी उम्मीद कु धारक द्वारा प्रलेप × में रमीद दे ही गई है।

(३) उप विनियम (१) के अधीन स्टाक प्रमाणपत्र पदधारक द्वारा या नो अकेवे या अस्थ व्यवित या व्यक्तियों के जाप या किसी प्रबंधारण करने वाले व्यक्तियों या अधिकार यो संस्कृत या धारण किया जा सकेगा, भानो उमका विद्यार्थिक नाम इस प्रकार कथित है।

(४) जब स्टाक किसी अधिक द्वारा अपसे पद के नाम में धारण किया जाता है तब अवधिक स्टाक प्रमाणपत्र से संबंधित कोई दस्तावेज उम समय उम नाम से, जिमसे स्टाक प्रमाणपत्र धारण किया जाता है, पर धारण करने वाले व्यक्तियों द्वारा संश्लेष या से धारण किया जा सकेगा, भानो उमका विद्यार्थिक नाम इस प्रकार कथित है।

(५) जहा लघु उद्योग बैंक की वहियों में न्यासी या पदधारक के रूप में उल्लिखित स्टाक प्रमाणपत्र धारक द्वारा विवादित किया गया या नामांकित कोई अन्य विवेत्र लघु उद्योग बैंक को पेश किया जाता है वहा लघु उद्योग बैंक को हम आप की जाव करने की आपश्यवा नहीं होती कि क्या स्टाक धारक किसी न्यास या धारणक या नियमों के निवंधनों के अधीन कोई ऐसा अधिकार देने या ऐसा विवेत्र या अन्य दस्तावेज नियादित करने का हक्कार है और ऐसे प्रवरण विवेत्र, मृत्यानामे या दस्तावेज पर उन प्रकार कार्य कर मरेगा मानो जिमका स्टाक प्रमाणपत्र धारक है, और आवे अन्तरण विवेत्र मृत्यानामे या दस्तावेज में स्टाक प्रमाणपत्र के धारक को न्यासी या पदधारक के रूप में उल्लिखित किया गया हो या नहीं और जाहि उमका न्यासी या पदधारक की अपनी ईमियत से अतरण विवेत्र, मृत्यानामे या दस्तावेज का नियादित करना नामांकित हो या नहीं।

(६) इन विनियमों की किसी आप से यह नहीं ममला जाएगा कि वह विद्धी न्यास या किसी न्यास के विद्धी न्यासियों या पद धारकों और विवादितार्थियों को, न्यास गतित करने वाली विवित के उपबन्धों या उम संस्था के, जिमका स्टाक प्रमाणपत्र धारक पद का धारक है, नियमों के विवित के नियमों के अनुसार स करके अन्यथा कार्य करने के निए प्राधिकृत करने है, और लघु उद्योग बैंक और किसी स्टाक प्रमाणपत्र में कोई क्षित धारण या अर्जित करने वाला कोई व्यक्ति या कोई स्टाक प्रमाणपत्र धारक को किसी स्टाक प्रमाणपत्र के संबंध में लघु उद्योग बैंक द्वारा ऐसे गए, किसी रजिस्टर में किसी प्रविष्ट के या स्टाक प्रमाणपत्र से व्यवित किसी दस्तावेज में किसी आप के कारण किसी न्यास या किसी स्टाक प्रमाणपत्र धारक की वैद्यार्थिक जापान की समना है।

(७) किसी व्यवित द्वारा किसी पद के धारक के रूप में हम विनियम के अनुसरण में किए गए किसी आवेदन पर या किसी दस्तावेज पर, जिमका तियादित किया जाता नामांकित है, कार्य करने से पूर्व लघु उद्योग बैंक यह मात्र वेश करने की अवेदन कर मरेगा कि ऐसा व्यक्ति उम पद का नवामय धारक है।

6. न्यास/न्यासी (न्यासियों) द्वारा वरन वर्षों के रूप में निर्गमित बंधपत्र धारण करने के लिए उपबन्ध—(१) विनियम ५ के उम विनियम (१) के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव द्वारा लघु उद्योग बैंक के दायित्व के अनुरूप पर या लघु उद्योग बैंक के दायित्व के विवेत्र, न्यासियों के विनियिट न्यास या न्यासी (न्यासियों) के नाम में या आवेदन के वैयक्तिक नाम में, उसे उसके आवेदन में विनियिट न्यास के न्यासी के रूप में या ऐसे विवितों के विवादित न्यास के रूप में, वक्तव्यपत्र के रूप में कोई बंधपत्र निर्गमित कर मरेगा।

(२) जहा वक्तव्यपत्र के रूप में कोई बंधपत्र, धारक के वैयक्तिक नाम में है वहा लघु उद्योग बैंक, लघु उद्योग बैंक द्वारा अपेक्षित प्रत्यय में उसे द्वारा हिए गए आवेदन पर या वेद्यवाच के अनुरूप पर या

के उपाधिकारियम् (१) में प्रधिकारित रीति में वचनपत्र के स्वप्न में नवोन्मुख अधिकारी नियमित कर सकेगा, तरंनु यह नद जबकि —

(i) इसके उप विनियम (६) नियमितों के अनुमार लघु उद्योग वैक द्वारा अधिकारी व्यापक साध्य प्राप्त कर दिया गया है, और

(ii) वंशावल नदु उद्योग वैक के पत्र में पूछाइकर कर दिया गया है।

(३) उप विनियम (१) के अधीन प्रधिकारी किसी नाम के न्यायी द्वारा अधिकारी या उस न्याय के व्यापारियों के स्वप्न में किसी अन्य अधिकारी या व्यापारियों के माथ संज्ञक धारण किया जा सकेगा।

(४) जहा वचनपत्र के स्वप्न में चोई व्यधिकारी न्यायी के हृष में व्यधिकारी द्वारा पूछाइकर किया गया तात्परित है या जहा व्यधिकारी धारक द्वारा नियायादित किया गया व्यापक मुख्यालामा या अन्य दस्तावेज किया गया है लघु उद्योग वैक में पेण किया जाता है वहाँ लघु उद्योग वैक को यह आन करने की आवश्यकता नहीं होती कि क्या व्यधिकारी धारक किसी न्याय के दस्तावेज या नियमों के नियमितों के अधीन ऐसा पूछाइकर करने वा ऐसा मुख्यालामा या अन्य दस्तावेज नियायादित करने का शुकादार है और पूछाइकर मुख्यालामा या व्यधिकारी पर उसी रीति में कार्रव कर सकेगा भानो ऐसा पूछाइकर व्यधिकारी धारक है और वहाँ व्यधिकारी धारक पूछाइकर मुख्यालामा या दस्तावेज में न्यायी के स्वप्न में उल्लिखित है या नहीं और जारी न्यायी बी हैसियत में उसको ऐसा पूछाइकर करना या मुख्यालामा या दस्तावेज नियायादित करना तात्परित हो या नहीं।

(५) इन नियमों की किसी बाने से यह नहीं समझा जाएगा कि वह किसी न्याय या किसी दस्तावेज या किसी नियमों के अधीन किसी न्यायादित या व्यधिकारीरियों के न्याय को लाग देने वा व्यधिकारी के नियमों या न्याय गतिन करने वानी नियमित करने के अनुमार न करने के अन्यथा कार्रव करने के लिए प्राप्तिकृत वारती है।

(६) किसी अधिकारी द्वारा किसी न्याय के न्यायी के स्वप्न में इस विनियम के अनुसरण में किए गए किसी आवेदन पर कार्रव करने से पूछ अनु उद्योग वैक के किसी दस्तावेज कार्यालय द्वारा व्यधिकारी धारक द्वारा ऐसी श्रीपत्राकारियानां के पालन के अधीन ज्ञान द्वारा विनियमित का पाया गया है व्यधिकारी का धारक हासि का हृकदार नहीं होगा।

४ व्याज का मट्टा — (१) वचनपत्र के स्वप्न में व्यधिकारी पर व्याज का संदाय, नियमित कार्यालय या व्यधिकारी प्राप्तेष्वम् में विनियमित पूछ अनु उद्योग वैक के किसी दस्तावेज कार्यालय द्वारा व्यधिकारी धारक द्वारा ऐसी श्रीपत्राकारियानां के पालन के अधीन ज्ञान द्वारा विनियमित का पाया गया है व्यधिकारी का धारक हासि का हृकदार नहीं होगा।

(२) न्याय प्रधानपत्र के स्वप्न में व्यधिकारी पर व्याज का संदाय, पाने वाने के स्वाने में देय रेतिन अधिकारी जारी करने का ऐसी अन्य रीति में किया जाएगा जैसी लघु उद्योग वैक द्वारा विनियमित की जाए। व्याज के संदाय के समय स्टाक प्रमाण-पत्र पेण करने की सांकेत नहीं की जाएगी किन्तु वाने वाका अधिकारी के दीर्घे उमड़ी प्राप्ति अभिस्वीकार करेगा।

(३) अनु उद्योग वैक भी व्याहों में प्रतिवित के स्वप्न में धारित किसी व्यधिकारी पर व्याज का संदाय अनु उद्योग वैक द्वारा पाने वाने के स्वाने में देय रेतिन अधिकारी जारी करने का या ऐसी अन्य रीति में किया जाएगा जैसी लघु उद्योग वैक द्वारा विनियमित की जाए।

५ वचनपत्र के स्वप्न में व्यधिकारी के छोड़े जाने आवाह पर प्रक्रिया — (१) जिस किसी व्यधिकारी के दावे में यह अभिस्वीकार हो कि वह छोड़े गया है, छोटे ही गया है, नाट ही गया है, अंत या या युद्धेत; विकृन अधिकारी विनियम ही यहाँ होता है, उसके स्थान पर उत्तर अनुलिपि जारी करने के

लिए प्रत्येक अधिकारी पर नियमित कार्यालय को भेजा जाएगा और उसमें निम्नलिखित विनियम होंगे, अवधि:

(क) — — — — — स्पार्ग के — — — — — प्रतिवित भारतीय लघु उद्योग विकास वैक व्यधिकारी (वर्ष) का व्यधिकारी म.

(ख) पिछली छाती ही जिसके निए व्याज का संबंध किया गया है

(ग) वह अवधि जिसको उक्त व्याज का संदाय किया गया था

(घ) वह अवधि जिस के नाम में व्यधिकारी नियमित किया गया था (यदि जान हो) ,

(ङ.) व्यधिकारी के छोड़े जाने वोरी हो जाने, नाट हो जाने विवित हो जाने को पारस्परित्याः, और

(च) यह व्यधिकारी के छोड़े जाने वोरी हो जाने की रिपोर्ट पुलिस में की गई थी।

(२) ऐसे आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित भेजे जाएः—

(क) जहा व्यधिकारी रजिस्ट्री डाक में प्रेपिन फिल/जाने के दोगल छोड़े गया था वह व्यधिकारी अंतिम व्यधिकारी करने वाने पत्र की डाक-पत्र में प्राप्त रजिस्ट्री रमाद,

(ख) यदि यो जाने वोरी हो जाने को जिंदार पुलिस को दी गई हो तो पुलिस रिपोर्ट की एक प्रति,

(ग) यदि आवेदक रजिस्ट्री डाक व्यधिकारी नहीं है तो मस्किटेट के समक्ष शपथ किया गया ऐसा व्यधिकारी जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि आवेदक व्यधिकारी अन्तिम व्यधिकारी है, और रजिस्ट्री डाक व्यधिकारी के हक का पता लगाने के लिए अधिकारी द्वारा तुरन्त प्राप्तिन की जाएगी। ऐसे अधिसूचना निम्नलिखित प्रकृत में या तगड़ग में एवं प्रकृत में होनी जो परिवर्तनियों में अनुज्ञान हो—

१०. राजपत्र में अधिसूचना—वचनपत्र के स्वप्न में व्यधिकारी या उसके जिसी भाग तेजो जाने, भोरी हो जाने, नाट हो जाने विकृन या विवित हो जाने को अधिसूचना भारत के राजपत्र और उस स्थान के जहाँ व्यधिकारी यो गया या छोड़े, नाट या विकृन या विवित हो गया था, किसी स्थानीय गजपत्र में, यदि कोई हो, लगातार तीन अंकों में आवेदक द्वारा तुरन्त प्राप्तिन की जाएगी। ऐसे अधिसूचना निम्नलिखित प्रकृत में या तगड़ग में एवं प्रकृत में होनी जो परिवर्तनियों में अनुज्ञान हो—

—प्रतिवित व्यधिकारी
स्पार्ग का भारतीय लघु उद्योग विकास वैक व्यधिकारी म.
—जो स्थानः श्री _____ के नाम में है और अधिकारी वार श्री _____
स्वत्वादीर्थी यो पूछाइकर किया गया है जिसने उसका किसी प्रत्य व्यधिकारी के नाम कही पूछाइकर नहीं किया है, छोड़े गया है/चोरी हो गया है/नाट हो गया है/विकृन या विवित हो गया है, प्रत्य हस्तके द्वारा यह सुनना दी जानी है कि नियम व्याहारिय में उपर्युक्त व्यधिकारी यो उपर्युक्त व्यधिकारी के पास में हस्तके एक अनुलिपि जारी किए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाने वाला है या किया गया है। जनना सो यह व्याहारिय श्री जारी है कि वे उपर्युक्त व्यधिकारी का श्री या उपर्युक्त सर्विकार करेगा।

—प्रश्नगृहित करने वाने व्यधिकारी का नाम
नियम —
“जो लाग नहीं हो काट दें।

११. व्यधिकारी श्री अधिसूचित वार वारा और उसके विव अधिसूचित नियम—(१) विनियम १० में विकृन प्रतिवित अधिसूचना के प्रकारन के

वर्णनात् यदि विहित अधिकारी या बंधुपत्र के द्वा जाने, चोरी हो जाने, नहीं हो जाने, विग्रह या विस्तृत हो जाने के मध्य में आप प्रावेदक के गाने ले अधिक्य के वर्ष में समाधान हो जाना है तो वह बंधुपत्र को विशिष्टियों को विभिन्न 13 के अधीन प्रकाशित वर्ष में समिक्षित करना चाहिए और—

(क) यदि बंधुपत्र का एक भाग ही खो गया है, चोरी हो गया है, नाट हो गया है, विपरित हो गया है और यह उसका कोई ऐसा भाग थेष किया गया है जो उसकी पहचान के लिए पर्याप्त है तो उसमें आप उल्लिखित अनियन्त्रित बंधुपत्र के नियमित क्रिया जाने पर विनियम 13 के अधीन सूची के प्रकाशन के तुरंत पश्चात् या उसके सूची के प्रकाशन की तारीख से ऐसी अवधि की समाप्ति पर जो विहित अधिकारी आवश्यक गमने वह आवेदन देगा कि ध्याज का संदाय किया जाए और उस बंधुपत्र के स्थान पर विस्तृत कोई भाग खो गया है, चोरी हो गया है, नाट हो गया है, विकृत या विपरित शो गया है, आवेदन की उसकी अनुसिपि जारी की जाए।

(ग) यदि हम प्रकार यों गए, नाट हो गए, विकृत या विस्तृत बंधुपत्र का कोई भी ऐसा भाग रोग नहीं किया गया है तो उसकी परामर्श के लिए पर्याप्त है, तो—

(I) उस सूची के प्रकाशन के दो वर्ष के पश्चात् और इसमें आप विहित रीति में अनि पूर्ति बंधुपत्र के नियमित क्रिया जाने पर इसमें आप उपलब्धित चार वर्ष भी अवधि के समाप्त होने तक, आवेदक को इस प्रकार यों गए, चोरी हो गए, नाट हो गए, विकृत या विपरित बंधुपत्र की आवश्यक ध्याज का संदाय किया जाए और

II) उस सूची के प्रकाशन की सारी तरफ से चार वर्ष के पश्चात् आवेदक को इस प्रकार यों गए, चोरी हो गा, नाट हो गए, विकृत या विपरित बंधुपत्र की अनुसिपि जारी की जाए, परन्तु यह कि;—

(1) यदि वह आर्गें जिसको बंधुपत्र प्रतिसंदेश निए गोष्ठे है उस नार्त्य के पूर्व परन्तु ही जिसको चार वर्ष की उक्त अवधि समाप्त होकर है तो विहित अधिकारी, पूर्व तर तारीख से छह सप्ताह के भीतर बंधावी पर शोध्य गूल रकम दाकघर बचत बैक से विनिहित कर देगा और इन रकम का ध्याज मिलत जो उग पर ऐसे बैक में पोइंट्स दृथा हा आवेदक को उस समय पर मंदाय करेगा जब बंधुपत्र की अनुसिपि अन्यथा जारी की गई होती, और

(3) यदि बंधुपत्र की अनुसिपि जारी किए जाने से पूर्व किसी भी समय में बंधुपत्र मिल जाता है या नियमित कार्यालय को किन्हीं अन्य कारणों से ऐसा प्रीति होता है कि आवेदन विशिष्टित किया जाना चाहिए तो सामाजा विहित अधिकारी को आपे विनाशर्व निर्देशित किया जाएगा और इस बीच उस प्रादेश पर सभी कार्यालय निलिपि कर दी जाएँगी। इस उप-विनियम के अधीन परिवर्तन आवेदन उसमें उल्लिखित चार वर्ष की अवधि समाप्त होने पर अन्तिम हो जाएगा जब तक कि इस बीच उस प्रादेश को विशिष्टित या अन्यथा उपायनित नहीं कर दिया जाता है।

(2) विहित अधिकारी किसी बंधुपत्र की अनुसिपि जारी करने से पूर्व किसी भी समय यदि इसके पास पर्याप्त कारण होइ इस विनियम

के अधीन जारी किए गए अपने अधिकारी परिवर्तन योग्य कर सकते। और यह भी निर्देश दे सकते हैं कि बंधुपत्र की अनुसिपि जारी करने के पहले का आवाय चार वर्ष में अनुसिपि होगी अतः वहाँ जाए जो वह एक समझे।

(3) अनियन्त्रिताः—

(क) (i) जब उप-विनियम (क) (i) के अधीन नियमित की जाएं तब अन्तर्विषय व्याज वी रकम की दुगुनी रकम के लिए अवधि उस बंधुपत्र पर प्रोद्धन गोष्ठे व्याज यी गमी गिरावटी रकम की दुगुनी रकम अत उस अवधि में, जो बंधुपत्र की अनुसिपि जारी करने के पूर्व अधिक्य होनी चाहिए, उस बंधुपत्र पर प्रोद्धन गोष्ठे व्याज की सभी रकम की दुगुनी रकम के लिए होती, और

(ii) इन सभी मामलों में बंधुपत्र के अंकित मूल की दुगुनी रकम अत खंड (1) के अनुसार संसाधन व्याज की रकम की दुगुनी रकम के लिए होगी।

(ग) विहित अधिकारी यह निर्देश दे सकते हैं कि ऐसी अनियन्त्रित कोड्र आवेदन द्वारा अवधि आवेदक द्वा जाने होगी अनुसारित एक या हो से त्रिप्ल अन्यथा उग जिसे बड़े उपचार समझे नियमित की जाएंगी।

12. स्टाक प्रमाणपत्र के स्थ में बंधुपत्र के द्वा जाने आविष्य प्रशिक्षा --- (1) नियमी ऐसे स्टाक प्रमाणपत्र के ध्यान पर जिसके द्वारे में यह अविकल्प हो कि वह द्वा गया है, चोरी हो गया है, या पूर्णतः विकृत प्रथा विपरित हो गया है, उसकी अनुसिपि जारी करने के लिए प्रत्येक आवेदन निर्वाच कार्यालय द्वा सेजा जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित भेजे जाएंगे—

(क) यदि स्टाक प्रमाणपत्र रजिस्ट्री डाक में प्रेषित किए जाने के द्वारा लोगों द्वा गया है तो स्टाक प्रमाणपत्र अनुसारित करने वाले पत्र की डाक घर से रजिस्ट्री रमीद,

(ग) यदि स्टाक-प्रमाणपत्र के द्वा जाने या चोरी हो की रिपोर्ट गुलिम में की गई हो तो पुलिस रिपोर्ट की रकम प्रदी

(ग) मजिस्ट्रेट के समझ निया गया तेसा गायपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया है कि आवेदक स्टाक प्रमाणपत्र का विधिक धारक है और कि स्टाक प्रमाणपत्र न तो उसके कब्जे में है और न तो उसने उसे अनुसित किया है, गिर्धी रखा है या अन्यथा उस पर कोई जन देस किया है, और

(ब) द्वा गया, चोरी हो गया, नाट हो गया विकृत या विपरित स्टाक प्रमाणपत्र के बचे हुए कोई भाग या नहीं।

(2) आवेदन में स्टाक प्रमाणपत्र के द्वा जाने की परिवर्तनियों का कथन किया जाएगा।

(3) यदि विहित अधिकारी का स्टाक प्रमाणपत्र के द्वा जाने, चोरी हो जाने, विकृत या विपरित हो जाने के संबंध में समाधान हो जाता है तो वह सब प्रमाणपत्र के बचे में उसकी अनुसिपि जारी करने का निरेश देगा।

13. सूची का प्रकाशन:— (1) विनियम 11 में निर्दित सूची भारत के राजपत्र में प्रत्येक राज्य में जनवरी और जूलाई में या उसके पश्चात् सुविधान्मार्ग विधि प्रकाशित की जाएगी।

(2) सभी बंधुपत्र जिनकी बाबत आवेदन प्रारंभित किए जाने के पश्चात् प्रकाशित होने वाली गूही सूची में सम्मिलित किए जाएंगे और नव्यन्मार्ग

वे बंधपत्र प्रत्येक (उन्नतीर्थी सूची) में तब तक सम्मिलित किए जाने रहे जब तक कि प्रथम प्रकाशन की तारीख से चार वर्ष तकीया समाप्त नहीं हो जाती है।

(3) सूची में सम्मिलित किए गए प्रत्येक बंधपत्र के संबंध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ भी जारी, अर्थात् निर्गमन का नाम, बंधपत्र का संस्थान, उसका मूल्य, उस व्यक्तिका नाम त्रिसे वह निर्गमन किया गया था, वह तारीख जिसमें उस पर व्याज लगेगा, अनुशिष्टा के लिए अतिवेदक का नाम, विहित अधिकारी द्वारा व्याज के गदाय पर अनुशिष्टा जारी करने के लिए परामित आदेश का संस्थान और तारीख जिसमें वह बंधपत्र पहली बार सम्मिलित किया गया था।

11. लघु उद्योग बैंक का विशेषाधिकार — विनियम 10, 11, 12 और 13 में किसी बाल के होने हुए भी, जहाँ लघु उद्योग बैंक किसी मामले में टीक समझता है वह बंधपत्र की अनुशिष्टा जारी करने के संबंध में उसमें विहित प्रतियों से अभिसुक्षित द्वारा अनुशिष्टा के बारे में सेवे निर्वाचनी पर, जो वह टीक समझे या अस्तित्वाधिपत्र की अनुशिष्टा जारी करना, तथा उद्योग देक के लिए विधिपूर्ण होगा।

15. विक्रम बंधपत्र का सेवे बंधपत्र के रूप में अधिकारण कियोंकी अनुशिष्टा का जाने किया जाना चाहिए है:—विहित अधिकारी का यह विकल्प होगा कि वह किसी बंधपत्र को जो विधिन पर विस्तित हो गया है, सेवे बंधपत्र के रूप में माने जिसका विनियम 11 के अधीन अनुशिष्टा जारी किया जाना या विनियम 19 के अधीन भाव सर्वानुसारण चाहिए है।

16. बचतपत्र के रूप में बंधपत्र का तारीफरण करने का कई भ्रष्टाचारी जारी करने की विवरण द्वारा बचतपत्र के रूप में बंधपत्र के लिए क्षमता द्वारा विनियम अवधारणे में बचतपत्र का नामकरण करने के लिए उस पर अर्थात् विक्रम की अपेक्षा भी जारी करनी, अवश्य:—

(क) यदि बंधपत्र के पीछे केवल एक और पृष्ठांकन के लिए ही पर्याप्त स्थान बचा है या यदि कोई शब्द बंधपत्र पर बतेमान पृष्ठांकन या पृष्ठांकनों के ऊपर लिखा गया है;

(ख) यदि निर्गमन कार्यालय की राय में बंधपत्र फटा हुआ है या किसी प्रकार से नुकसानपूर्ण या चिक्काई में भर्ग हुआ है या टीक नहीं है;

(ग) यदि कोई पृष्ठांकन स्पाइ और सुमिक्र नहीं है या यथानुस्थिति पाने वाले का पाने वालों के नाम नहीं बर्गाला है या बंधपत्र के पीछे के पृष्ठांकन व्यापों में से किसी एक व्यापे में न करके किसी और तरीके में किया गया है;

(घ) यदि बंधपत्र पर व्याज दस वर्ष या उसमें अधिक समय तक अनाफिल रहा है;

(ङ) यदि बंधपत्र के पीछे इस गए व्याज के संबंध पूरी तरह भर गए हैं या यदि इस तारीख पर, जब व्याज के आहरण के लिए बंधपत्र प्रस्तुत किया जाता है, बंधपत्र के पीछे संदिग्ध व्यापी व्यापे उन छालाहियों के साथ भेज नहीं द्याये, जिनके लिए व्याज घोष्य हो गया है;

(ज) यदि व्याज के सदाय के लिए सीन बार मुख्ताकित किए जाने पर बंधपत्र किए सूचांकन के लिए प्रस्तुत किया जाना है; और

(झ) यदि निर्गमन कार्यालय की राय में व्याज के सदाय के लिए बंधपत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का हक अनियमित है या पुण्यनाथ साक्षित नहीं हुआ है।

(2) जब अंगाक्र का नवीकरण करने के लिए अन्वयेशा उत्तराधिनियम (1) के अधीन यह गई है तब उस पर प्रत्येक सौदेव व्यापक का संवाद करने में तब तक इकार विद्या जाप्ता जब तक उस पर तर्वाकरण के लिए रमाद नहीं लिया दी जाती है और व्यापक में उसका तर्वाकरण सही कर दिया जाना है।

17. किसी सूची एकमात्र धारक के बंधपत्र पर किसी व्यक्ति के द्वारा जो मान्यता दी जा सकेगी—(1) किसी बंधपत्र के सूची एकमात्र धारक (जाहे वह हिन्दू, मूल्मिन, पारमी हो या कोई अन्य) के लिए व्यापक या प्रशासक या आस्तीप उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन उस बंधपत्र की वाक्त जारी किए गए उत्तराधिकार प्रभागपत्र का धारक त्रीमें अवित होने विन्दे निर्गमन कार्यालय द्वारा बंधपत्र का इकार होने की विहित अधिकारी के लिए माध्यम या विणेप अनुदेशों के अधीन रहते हुए मात्यता दी जा सकेगी।

(2) मार्गीय गविदा अधिनियम, 1972 (1872 का 9) की धारा 45 में किसी बाल के होने हुए भी दो या अधिक धारकों के नाम जारी किए गए, विशेष किए गए या संदेश अधिनिर्धारित बंधपत्र के सामने में एकमात्र उत्तरजीवी या एक से अधिक उत्तरजीवी और अन्तिम उत्तरजीवी की मृत्यु के पश्चात् उसके निपाइक, प्रणालक, ग्रामपत्र का अव्य कोई अस्ति ही और बंधपत्र की वाप्त उत्तराधिकार प्रभागपत्र का धारक है, ऐसा अनिन होगा जिसे निर्गमन कार्यालय द्वारा बंधपत्र का इकार होने की विहित अधिकारी के किसी साक्षात्तरण या विणेप अनुदेशों के अधीन रहते हुए) मान्यता दी जा सकेगी।

(3) निर्गमन कार्यालय गेमे विषाक्तवों या प्रणालकों वाले मान्यता, देने के लिए तब तक बाध्य नहीं होना तब तक उन्होंने यथास्थित भागत में किसी भ्रष्टाचार प्रभागपत्र या कार्यालय से प्रोटेक या प्रणालपत्र प्राप्त नहीं किया है।

(4) उत्तराधिनियम (1), (2) और (3) में विहित किसी बाल के होने हुए भी जहाँ कोई बंधपत्र एक या अधिक अक्षियों द्वारा धारण किया जाता है वहाँ, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर किसी अव्यक्ष या किसी अविक्षों को नामनिर्धारित कर सकते हैं जिन्हें एकमात्र धारक की मृत्यु या सभी शास्त्रों की मृत्यु की दृश्य में बंधपत्र पर शोष्य रकम का संदर्भ किया जा सकता।

परन्तु जब कोई बंधपत्र दो या अधिक अविक्षों द्वारा धारण किया जाता है तब नामनिर्धारिनी सभी धारकों की मृत्यु पर ही रकम पाने का इकार होगा।

परन्तु यह भी कि इस विनियम की कोई बाल किसी दावे पर प्रभाव नहीं द्यायी जो बंधपत्र पर शोष्य किसी रकम की बाबत किसी बंधपत्र के मूल धारक के विनियिक द्वारा।

(2) यदि उत्तराधिनियम (1) के अधीन शो या अधिक अविक्ष नामनिर्धारित दिग्दर्शन की कोई बाल भ्रष्टाचार के केवल एक भ्रष्टाचार के भवांत में है तो उसमें रकम का या उद्देश उस भ्रष्टाचार का विनियम नामनिर्धारित दिग्दर्शन 17 के उत्तराधिनियम (1) के अधीन उसके इकार अविक्षित द्वारा।

परन्तु दरि कोई नामनिर्धारित दिग्दर्शन रहा है या यदि ऐसा संभव निर्धारित दिग्दर्शन के केवल एक भ्रष्टाचार के भवांत में है तो उसमें रकम का या उद्देश उस भ्रष्टाचार का विनियम 17 के उत्तराधिनियम (1) के अधीन उसके इकार अविक्षित द्वारा।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन कोई नामनिर्देशन, यथास्थिति प्रकार धारक या सभी धारकों द्वारा मिलकर प्रस्तुत XV में किया जा सकेगा।

(4) ऐसे बंधपत्र जो वाक्त ही नाम-निर्देशन किया जा सकेगा जो धारक की व्यक्तिगत हैसियत में धारित है, और किसी पद के धारक के रूप में किसी प्रतिनिधिक हैसियत में या प्रत्यया नहीं किया जा सकेगा।

(5) जहाँ नामनिर्देशिती प्रवर्यस्क है, वहाँ यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर किसी व्यक्ति को (जो प्रवर्यस्क नहीं है), नामनिर्देशिती की प्रवर्यस्कता के दौरान बंधपत्र पर शोध ग्रन्थ प्राप्त करने के लिए नियुक्त कर सकेगा।

(6) जहाँ कोई बंधपत्र प्रवर्यस्क के नाम में धारित है, वहाँ नामनिर्देशन, यदि कोई हो, प्रवर्यस्क की ओर से कार्य करने के लिए विविध पूर्ण स्था से हक्कदार, किसी व्यक्ति द्वारा किया जाएगा।

(7) कोई नामनिर्देशन भारतीय लघु उद्घोग विकास बैंक को बंधपत्र के रूप प्रस्तुत 15 में कोई आवेदन प्रस्तुत करके प्रतिस्थापित किया जा सकेगा या प्रस्तुत 16 में कोई आवेदन प्रस्तुत करके रह किया जा सकेगा।

(8) कोई नामनिर्देशन या किसी नामनिर्देशन का कोई प्रतिस्थापन या रद्दकरण लघु उद्घोग बैंक की व्यक्तियों में रजिस्ट्रीकरण किया जाएगा और रजिस्ट्रीकरण का नाम बंधपत्र पर लिखा जाएगा और ऐसे रजिस्ट्रीकरण पर, यथास्थिति, उक्त नामनिर्देशन, रद्दकरण या प्रतिस्थापन उभयतारीख में प्रामाणी समझा जाएगा जिसको यह प्रस्तुत किया जायेगा।

(9) इस विनियम के अधीन भग्नक स्था में किए गए और रजिस्ट्रीकर किए गए किसी नामनिर्देशन के अधीन बंधपत्र के मंशंध में उन व्यक्तियों पर जो किसी नामनिर्देशिती ने यजित किए हैं, बंधपत्र की भ्रमुलियि के जारी किए जाने के कारण प्रभाव नहीं पड़ेगा और नामनिर्देशिती की भ्रमुलियि के मंशंध में वही व्यक्तिगत होगे जो उसके मूल बंधपत्र के संबंध में है।

19. नवीकरण प्राप्ति के लिए रूपीद :—(1) विहित व्यक्तिकारी के किन्हीं साधारण या व्यक्तिगत अनुभेदों के अधीन रहने हुए, धारक के आवेदन पर निर्गमन कार्यालय अपने आवेदन में :—

(क) धारक द्वारा वचनपत्र या वचनपत्रों के स्वप्न में बंधपत्र या बंधपत्रों के परिवर्त कर दिए जाने पर और अपने दावे के व्यक्तिगत के मंशंध में निर्गमन कार्यालय का समझान कर देते पर, वचनपत्र या वचनपत्रों का नवीकरण, उप-विभाजन या समेकन कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि वचनपत्र या वचनपत्रों पर निर्विविष्ट पृष्ठाकार कर दिया जाया है तब तक नहीं है।

(ख) वचनपत्र या वचनपत्रों को स्टाक प्रमाणपत्र या स्टाक प्रमाणपत्र में संपर्कित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि वचनपत्र या वचनपत्रों पर निर्विविष्ट पृष्ठाकार कर दिया जाया है :—

“भारतीय लघु उद्घोग विकास बैंक द्वारा महान कर”
या

(ग) स्टाक प्रमाणपत्र या स्टाक प्रमाणपत्रों का नवीकरण, उप-विभाजन या समेकन कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि स्टाक प्रमाणपत्र या स्टाक प्रमाणपत्रों पर, यथास्थिति, प्रस्तुत 6, 7 या 8 में रूपीद लिख दी गई है, या

(घ) स्टाक प्रमाणपत्र या स्टाक प्रमाणपत्रों को वचनपत्र या वचनपत्रों में संपर्कित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि स्टाक प्रमाणपत्र या स्टाक प्रमाणपत्रों पर नियम 9 में रूपीद लिख दी गई है, या

(इ) एक श्रृंखला के बंधपत्रों को दूसरी श्रृंखला के बंधपत्रों में संपर्कित कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि

(1) श्रृंखलाओं का परस्पर संपर्कित होनुपर्याय है, और
(2) ऐसे संपर्कित होने वाली शर्तों का पालन किया गया है।

(2) निर्गमन कार्यालय विहित व्यक्तिकारी के आदेशों के अधीन उप-विनियम (1) के अधीन किसी बंधपत्र का नवीकरण, उप-विभाजन या गमेकन करने के लिए, आवेदक उसे, विहित व्यक्तिकारी द्वारा अनुमोदित एक या अधिक प्रतिशूल्यों सहित प्राप्त करने के लिए विहित व्यक्तिकारी को अपेक्षा कर सकेगा।

20. हस्त के संबंध में विवाद का दबा में बंधपत्र का नवीकरण :— जहाँ विवाद बंधपत्र के हस्त में संबंध में, जिसके नवीकरण के लिए कोई आवेदन किया गया है, कोई विवाद है वहाँ विहित व्यक्तिकारी :

(क) जहाँ विवाद के किसी पक्षाकार ने नवाम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय से ऐसे बंधपत्र का हस्ताक्षर द्वारा व्यक्तिकारी के पक्ष में नवीकृत बंधपत्र निर्मित कर सकता, या

(ख) जब एक ग्राम विभिन्न व्यक्तिगत नवीकरण कर दिया जाता है तब तक बंधपत्र का नवीकरण करने से इकार कर सकता।

स्पष्टीकरण :

इस विनियम के प्रयोगों के लिए “धूतिम निर्णय” पद से ऐसा विनियम अभिप्रेत है जो अपीलीय नहीं है या जो अपीलीय है किन्तु जिसके दिक्षिण विधि इत्यां अनकाल पर्याप्त व्यक्तिकारी के भीतर कोई अपील नहीं की गई है।

21. नवीकृत बंधपत्र के मध्य में दागिन्द्र आदि—जब किसी व्यक्तिके पक्ष में विनियम 11 के अधीन बंधपत्र की अनुलिपि जारी कर दा रहे हैं या तरीकृत बंधपत्र निर्मित कर दिया गया है या विनियम 19 के अधीन या-दिव्याज्ञ या सदेवान द्वारा पर नया बंधपत्र निर्मित कर दिया गया है तब हस्त प्रकार निर्मित बंधपत्र के बारे में समझा जाएगा कि यह लघु उद्घोग देव और ऐसे व्यक्ति और नया उद्घोग तारीख उसकी मार्फत हक प्राप्त करने वाले सभी व्यक्तियों के बीच एक नया कानून गठित करा है।

22. उन्मोचन :—लघु उद्घोग देव, परिपक्षता पर नंदस उस बंधपत्र या उस बंधपत्रों की वाक्ता या जिसके जिसके स्थान पर अनुलिपि, उवीकृत, उप-विभाजन या समेकित बंधपत्र निर्मित किया गया है / किए गए हैं :—

(क) संदाय भी वासा में उम तारीख से चार वर्ष बीते जाने के पश्चात्, जिसको संदाय जोध्य था,

(ख) अनुलिपि बंधपत्र भी दणा में विनियम 13 के अधीन उम सूची के, जिसमें बंधपत्र का पहली बार उल्लिखित ग्रन्थ बंधपत्र पर व्यापार के संदाय भी नामीय से, चार वर्ष बीत जाने के पश्चात् भी भी नामीय बाद भी हो।

(ग) नवीकृत बंधपत्र या उप-विभाजन या समेकन होने पर विर्मित किए गए बंधपत्र की दणा में, उसके निर्गमन की तारीख 4 वर्ष बीत जाने के पश्चात् उम्मोचित हो जाएगा।

23. द्वाज की वायन उन्मोचन :—बंधपत्रों के निबंधनों गे यथा अन्यथा अभिप्रेत लघु में उपविधित के सिवाए कोई भी व्यक्ति किसी तोमें बंधपत्र पर किसी व्यक्ति की वाक्ता, जो उस पूर्वान तारीख के पृष्ठ-चान् दोत गई है, जिसको ऐसे बंधपत्र पर शोध्य रक्ष के संदाय के पिंग मांग की जा सकती थी, द्वाज का दावा करने का हककार नहीं होगा।

बंधपत्र का उन्मोचन :—

(क) जब वचनपत्र या स्टाक प्रमाणपत्र के स्वप्न में धारित कोई बंधपत्र मूल के संदाय के लिए शोध्य हो जाता है तब वह लघु उद्घोग देव के ऐसे कार्यालय में जिसमें

प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 19 अप्रैल 1989 को प्रस्तुत गया एवं इसके लिए जारी किया गया।

(अ) जन व्यापार में किसी प्रशिक्षण के स्थान में कोई बंधपत्र गूँज के मद्दत के लिए आवश्यक हो जाता है तब प्रस्तुत 14 में संश्योग शब्द ऐसीकौ भास्कर जारी किया गया।

भास्त्रीय शब्दों को और उनकी विवरणों का दर्शाया गया।

प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 1(2), 5(2), 5(7), 6(6), आर 8(1) के प्रशीलन प्रयोग संबंधित शब्दों का अध्युच्चोग शब्द की ओर भी प्रयोग लघु उच्चोग शब्द के प्रस्तुत निवेशक श्रीर उमरी प्रत्याख्याति में कार्यपालक निवेशक श्रीर/ग्रा महापर्याप्त द्वारा किया गया दर्शाया।

अनुसूची

प्रस्तुत I [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के स्थान में वंशपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्रस्तुत

इसके बदले में भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक

द्वारा

(स्थान)

संदेश व्याज सहित

को संदेश नवीकृत

(धारक का नाम)

वचनपत्र प्राप्त किया।

धारक के

के सम्यक स्थान में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(धारक का नाम)

प्रस्तुत II [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के स्थान में वंशपत्रों के उपविभाजन के लिए पृष्ठांकन का प्रस्तुत

इसके बदले में भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक

(स्थान)

द्वारा संदेश व्याज सहित

को संदेश

(धारक का नाम)

स्थान के लिए

वचन पत्र

प्राप्त किया।

धारक के

के सम्यक स्थान में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(धारक का नाम)

प्रस्तुत IV [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के स्थान में वंशपत्र के समेकन के लिए पृष्ठांकन का प्रस्तुत

इसके बदले भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक

द्वारा

(स्थान)

संदेश व्याज सहित (इसके साथ समेकित किए जाने के लिए अपेक्षित अत्य वचनपत्र (पत्रों) का/के संख्याक और रकम (रकमों) का उल्लेख करते हुए तथा निर्गमन को विनिर्दिष्ट करते हुए वचनपत्र या वचनपत्र संख्याक

के साथ समेकन द्वारा

रूपए के लिए

को संदेश नथा वरतान प्राप्त किया।

(धारक का नाम)

धारक के

के सम्यक स्थान में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(धारक का नाम)

प्रस्तुत IV [विनियम 19(2) देखें]

यह सब को ज्ञात हो कि हम

(मुख्य वंशपत्रधारक का नाम)

जो श्री का पुत्र और का

निवासी है और जो श्री का

(प्रतिभू. सं. 1)

पुत्र और का निवासी है तथा

(प्रतिभू. सं. 2)

जो श्री का पुत्र और का

निवासी है, इसके बारा अपने को और हम में से प्रत्येक को हमारे और हमारे वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों और प्रतिनिधियों में से प्रत्येक को और उन सब को संशुक्ततः और प्रथकतः भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक अधिनियम 1989 के श्रीन यथा स्थापित

भारतीय लधु उद्योग विकास बैंक को (जिसे इसमें आगे उक्त लघु उद्योग बैंक कहा गया है) उसके अटनियों, उत्तरवत्तियों और समनुदेशितियों को अपए की राणि के संदाय के लिए आवेद्ध करते हैं।

और मैं हममें/से प्रत्येक

(मुख्य बंधपत्र धारक) और (प्रतिभूति प्रतिभूतों का/के नाम)

उक्त लघु उद्योग बैंक के साथ प्रसविदा करता है। करने हैं कि यदि इस बाध्यता या इसके नीचे निखित शर्त के संबंध में कोई वाद लखनऊ/मुम्बई उच्च न्यायालय के अधीनस्थ किसी न्यायालय में लाया जाता है तो वह उक्त लघु उद्योग बैंक की प्रेरणा ऐसे वाद में चाहे कोई भी पक्षकार क्यों न हो, उच्च प्रेरणा/न्यायालयों में से किसी को ऐसे दिया जाएगा और उसका/उसकी प्रसाधारण मूल मिलिल अधिकारिता में लखनऊ/मुम्बई में विचारण तथा प्रसाधारण किया जाएगा।

उक्त —————— ने उक्त लघु उद्योग बैंक का इसकी अनुसूची में उल्लिखित
(मुख्य बंधपत्र धारक का नाम)

लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्गमित बंधपत्र (पत्रों) के नवीकरण/समेकन उप-विभाजन के लिए आवेदन किया है।

और उक्त लघु उद्योग बैंक उक्त

(मुख्य बंधपत्र/धारक)

के दो अन्तर्गत और पर्याप्त प्रतिभूतों भवित इसके नीचे निखित शर्त के अधीन रहने हुए उक्त बंधपत्र करने और निष्पादित करने पर उक्त आवेदन को स्वीकार करने के लिए सम्मत हो गया है,

और उपर आवेद्ध

(प्रतिभूति/प्रतिभूतों का/के नाम)

उक्त —————— के अनुरोध पर (मुख्य बंधपत्र धारक)

(मुख्य बंधपत्र धारक)

बंधपत्र निष्पादित करने में उक्त —————— के साथ (मुख्य बंधपत्र धारक)

सम्मिलित होने के लिए सहमत हो गया है/हो गए हैं।

उक्त बंधपत्र की शर्त यह है कि यदि उक्त आवेद्ध

(मुख्य बंधपत्र धारक)

या उनमें से प्रत्येक का उसके वार्ता, निष्पादक, (प्रतिभूति/प्रतिभूतों का/के नाम)

प्रशासक या प्रतिनिधि या उनमें से कोई या प्रत्येक, इसकी अनुसूचियों में उल्लिखित उक्त लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्गमित बंधपत्र (बंधपत्रों) या उन पर किसी व्याज का हकदार होने का दावा करने सभी व्यक्तियों और उक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) या उनके नवीकरण या उन पर व्याज के संदाय के लिए अन्य व्यक्तियों के चाहे कोई भी हों, दावों और मांगों से और उसके विरुद्ध तथा ऐसे सभी नुकसान, हानि, खर्च, प्राप्तार और व्यय में जो उक्त लघु उद्योग बैंक को किसी ऐसे दावे या मांग के लिए या उसके परिणामस्वरूप या उपर्युक्त नवीकृत बंधपत्र (बंधपत्रों) के निर्गमन के कारण या उक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) या नवीकृत बंधपत्र (बंधपत्रों) पर गोप्य किसी व्याज के संदाय के कारण उठाने पड़े उपगत करने पड़े या दायी होना पड़े, उक्त लघु उद्योग बैंक को समय-समय पर और इसके पश्चात मभी समयों पर प्रभावी हँग में बचाएंगे, उसकी प्रतिरक्षा करेंगे उस हानि रहित और क्षतिपूरित रखेंगे तब ऊपर लिखित बंधपत्र श्वय होंगा किन्तु अन्यथा वह पूर्णतया प्रदृष्ट और प्रभावशोल रहेगा।

(मुख्य बंधपत्र धारक का नाम)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर लिए और परिदान किया।

तारीख

इसमें निर्दिष्ट अनुसूची

बंधपत्र की प्रकृति और वर्णन

मुद्रांक

निर्गमन तारीख

रकम

प्रलेप V (विभिन्न 3(3) वेखें)

अंतरण का प्रस्तुप

में/हम

(धारक का/धारकों के नाम)

इसके द्वारा

एप्स का, जो स्टाक/स्टाक के एक भाग की रकम हैं, जैसा इस लिखत के मुख पर विनिर्दिष्ट है, प्रतिशत भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक बंधपत्र में अंतर्लिखित स्टाक में मेरा/हमारा हित या शेयर उस पर (वर्ष)

प्रोद्भुत व्याज सहित उमे/उनके (धारक/धारकों का नाम)

निष्पादकों, प्रशासकों का समनुदेशित और अंतरित करता हूँ/करते हैं और में/हम (धारक/धारकों का नाम)

ऊपर अंतरित स्टाक को उस सीमा तक निर्वाध रूप से स्वीकार करता हूँ/करते हैं जिस सीमा तक वह मुझे/हमें अंतरित किया गया है।

+में/हम

(धारक का/धारकों के नाम)

इसके द्वारा अनुरोध

करता हूँ / करते हैं कि मुझे/हमें इसके द्वारा अंतरित स्टाक के धारक (धारकों) के रूप में मुझे/हमें रजिस्ट्रीकृत किए जाने पर उक्त स्टाक प्रमाणपत्र उस सीमा तक जिस सीमा तक वह मुझे/हमें अंतरित किया गया है मेरे/हमारे नाम में नवीकृत/संपरिवर्तित किया जाए।

+में/हम

(धारक का/धारकों के नाम)

इसके द्वारा अनुरोध

करता हूँ/करते हैं कि उक्त अंतरिती (अंतरितियों) को इसके द्वारा उसे/उन्हें अंतरित स्टाक के धारक (धारकों) के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने पर उक्त स्टाक प्रमाणपत्र उस सीमा तक जिस सीमा तक वह उमे/उन्हें अंतरित नहीं किया गया है मेरे/हमारे नाम में नवीकृत किया जाए।

इसके साक्ष्य के रूप में

के

की उपस्थिति में

को

(वर्ष)

(मास)

(तारीख)

ऊपर नामित अंतरक ने हस्ताक्षर किए।

अंतरक

पता

(अंतरिती)

पता

उक्त अंतरिती ने

इस पैश का तब प्रयोग किया जाना है जब प्रमाणपत्र का कोई अंश अंतरित किया जाता है।

इसकी के हस्ताक्षर, उपजीविका, पता

प्रलेप VI (विभिन्न 19(1) (ग) वेखें)

स्टाक प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्रस्तुप

शुल्क वदले में के नाम में द्वारा प्रसिद्ध भारतीय लघु उच्चोग विकास बैंक का

एक नवीकृत स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिस पर व्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,

(स्थान)

द्वारा संदेश होगा

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रलेप VII [विनियम 19(1) (ग) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्र के उप-विभाजन के लिए पृष्ठांकन का प्रलेप

इस स्टाक प्रमाणपत्र से के बदले में प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र

(वर्ष)

प्रमाणपत्र प्राप्त किए जिन पर व्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (स्थान)

द्वारा संदेश होगा।

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम

प्रलेप VIII विनियम 19(1) (ग) देखें।

स्टाक प्रमाणपत्रों के समेकन के लिए पृष्ठांकन का प्रलेप

प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र,

(वर्ष)

के रूपए के स्टाक प्रमाणपत्र से
..... प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र

(वर्ष)

का रूपए का एक स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिस पर व्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, द्वारा संदेश होगा।

(स्थान)

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रलेप IX—[विनियम 19(1) (घ) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्रों को बचनपत्रों में संपरिवर्तन के लिए पृष्ठांकन का प्रलेप

इस स्टाक प्रमाणपत्र के बदले में प्रति बचनपत्र

बचन पत्र, (शेष) रूपए के

लिए एक नया स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिसका व्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,

(स्थान)

द्वारा संदेश होगा।

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रलेप X [विनियम 5(2) (ख) iii) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित बंधपत्र के नवीकरण की रमीद का प्रलेप

इस बदले में के पक्ष में प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र,

रूपए के लिए प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र,

का एक नवीकृत स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया, जिस पर ल्याज भारतीय लघु
(वर्ष)
उद्योग विकास बैंक , द्वारा सदेय होगा।
(स्थान)

(रजिस्ट्रीकृत धारक के हस्ताक्षर)

प्रलेख XI—[विनियम 3(3क) (ग) देखें]

बचन पत्र के रूप में बंधपत्र को लघु उद्योग बैंक में खाते में प्रविष्टि में संपर्कतित करने के लिए प्रध्येश्चा।

तारीख

19

सेवा में,

प्रबंधक,
बंधपत्र अनुभाग,
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,
मुम्बई/लखनऊ

महोदय,

विषय ——————प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र ——————(शुल्कला)

हम घोषित करते हैं कि बचनपत्र (बचनपत्रों) के रूप में निर्गमित कुल ——————रुपए के अंकित मूल्य के भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र जो इसके पीछे सूचीबद्ध गए गए हैं हमारी संपत्तिक है और अनुरोध करने हैं कि लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे जाने वाले खाते में हमारे नाम में प्रविष्टि के रूप में उन्हें धारण करने के लिए हमें अनुज्ञात किया जाए जिसके लिए हम इसके साथ लघु उद्योग बैंक के पक्ष में सम्यक् रूप से पृष्ठाकृत सुसंगत बंधपत्र स्त्रिय प्रध्येश्चित करने हैं। उस व्यक्तिका/उन व्यक्तियों के नाम, पदनाम और नमूना हस्ताक्षर, जिसे/जिसने खाता संचालित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, इसके पीछे दिए गए हैं।

इस संबंध में हम सम्यक् रूप में स्टापित और आपका प्रारूप के अनुसार निष्पादित किया गया आपके पक्ष में क्षतिपूर्ति विलेख इसके साथ भेज रहे हैं।

हम आपसे यह अनुरोध करते हैं कि लघु उद्योग बैंक में खाने के रूप में बंधपत्रों के धारण का प्रमाणपत्र और हमारी घृति का कालिक धिवरण ऊपर दिए गए पते पर सम्यक् अनुश्रूति में भेज दिया करें।

कृपया इस पत्र की पावती दें।

भवदीय

रजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों) /या उसके सम्यक् रूप में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के नाम

इसके साथ भेजे गए बंधपत्र स्त्रियों की सूची
नीचे कथित अंकित मूल्य (मूल्यों) में बचनपत्र

1. ——————रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिय तं. ——————तारीख ——————(शुल्कला)।
2. ——————रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिय तं. ——————तारीख ——————(शुल्कला)।
3. ——————रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिय तं. ——————तारीख ——————(शुल्कला)।

बंधपत्र मिक्यों का कुल अंकित मूल्य ——————रुपए

नमूना हस्ताक्षर ——————कल/संस्कृतः/प्रत्येक या उत्तरजीवी

नाम 1. ——————पदनाम ——————

2. ——————पदनाम ——————

पता

—————
—————
—————
—————

यथा उद्योग बैंक में खाते में प्रविष्टि के रूप में संकलित मूल्य के बंधपत्र स्थिर

(ii) अनुपूर्ति विलेख

प्र० १२ [विनियम ३(३क) (उ.) देखें]

लघु उद्योग बैंक में खाते में प्रविष्टि के रूप में धारित बंधपत्रों के बदले में बंधपत्र स्थिर जारी करने के लिए अध्येत्रा।

मेया में,

बंधपत्र अनुभाग

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

मुम्बई/लखनऊ

महोदय,

विषय ————— भारतीय लघु विकास उद्योग बैंक बंधपत्र ————— (शुंखला) ।

हम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रख गए खाते में प्रविष्टि के रूप में हमारे द्वारा धारित बंधपत्रों की बाबत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा जारी किया गया वृत्ति प्रमाणपत्र इसके साथ भेज रहे हैं।

हमारा प्रत्योगी है कि हमारी बंधपत्र धृतियों के पीछे दिए गए व्योंगों के अनुवार उचितात्मा (वरनपत्रों) के रूप में संरचित होना और अंतर्गत कर दिया जाए।

हमारा अनुरोध है कि हम संबंध में बंधपत्र स्थिर उन बंधपत्रों की, जो भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रखे गए खाते में प्रविष्टि के रूप में धारित रखे जा रहे हैं, अनियंत्रित रकम की आबत ताजा वृत्ति प्रमाणपत्र सहित हमारे ऊपर शिप द्वारा पते पर रजिस्ट्री डाक द्वारा हमें भेजे जाएँ।

छपा इस पत्र की पावनी दें।

भारतीय

रजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों) या उसके सम्यक् रूप में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के नाम

विद्यमान धृति प्रमाणपत्रों के व्योंग और वरनपत्रों की अपेक्षा

1. धृति प्रमाण पत्र सं. ————— नारीख ————— रुपए (———— शुंखला) ।

2. धृति प्रमाण पत्र सं. ————— नारीख ————— रुपए (———— शुंखला) ।

3. धृति प्रमाणपत्र सं. ————— नारीख ————— रुपए (———— शुंखला) ।

बंधपत्रों का कुल अंकित मूल्य ————— रुपए है जिसके लिए नीचे कथित अंकितम् मूल्यों में बंधपत्र स्थिर जारी करने की व्यवस्था करें।

अंकित मूल्य

रांगड़ा

कुल अंकित मूल्य

रुपए

- (1) प्रत्येक 1,000 रुपए का
- (2) प्रत्येक 10,000 रुपए का

रुपए के कुल अंकित मूल्य ————— कुल ————— स्थिर

हमारा अनुरोध है कि बंधपत्रों की अतिशय रकम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रखे गए खाते में प्रविष्टि के रूप में धारित रहने दी जाए।

प्र० १३ [विनियम ३(३क) (उ.) देखें]

लघु उद्योग बैंक में खाते में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्रों के अंतरण का प्र० १३

हम, ————— भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में खाते में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्रों के धारक (धारकों) की हीमियन में ————— रुपए की सीमा तक, जो हमारी संपूर्ण बंधपत्र धृति/उसका भाग है, अपनी धृति उस पर ————— तक प्रोद्धृत व्याज सहित ————— को और उसके पक्ष में इसके द्वारा समन्वेषित और अंतरित करते हैं।

हम उक्त बंधपत्रों के हमारे नाम को अंतरण निर्बाध रूप से स्वीकार करते हैं।

ग्राज ————— 199 ————— को साक्षी के रूप में हम हस्ताक्षर करते हैं।

उत्तर — (श्रेष्ठ) गुरुभाई मुख्यमंत्री को उपरिलिखित मुद्रणाकारिता
उक्त — (श्रेष्ठ) द्वारा की उपरिलिखित मुद्रणाकारिता

टिप्पणी : (उम राज्य के, जिसमें यह निष्पादित किया जाए, स्थानीय स्टांप अधिनियम द्वारा (यथा संशोधन) भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 के अनुच्छेद 62(ग) के अनुसार स्टांप लगाई जाएगी)।

प्रस्तुप XIV [विनियम 24(ब) देखें।]

लघु उद्योग बैंक में खाते में प्रतिलिपि के रूप में भारत बंधपत्रों के उत्प्रोत्तर के प्रस्तुप
में सामान्य में

प्रबंधक,
बंधपत्र अनुभाग,
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,
मुम्बई/लखनऊ।

महोदय,

विषय — १०% भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र (— द्वारा)।

(पंथाल धारक) के ज़मा खाते में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की बहियों में प्रतिलिपि के हाथ में
धारित रूपां (— द्वारा) के अभिहित अकित मूल्य के उपर्युक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) पर परिपक्वता
की तारीख को प्रोटोकूल व्याज महित मूल रकम प्राप्त की। यह प्रमाणित किया जाता है कि बंधपत्र (बंधपत्रों) की अग्रिम रकम
और परिपक्वता की तारीख तक प्रोटोकूल आग का रकम मेरी/हमारी बहियों से मैत्र थानी है।

भवदीय

गजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों)/या उसके भम्येक स्वप में
प्राधिकृत प्रनिनिधि के हस्ताक्षर

गजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के
नाम —
तारीख —
स्थान —

प्रस्तुप XV (विनियम 18 देखें)।

नामनिर्देशन/नामनिर्देशन के प्रतिलिपन का प्रस्तुप

1. रूप/टप — निम्नलिखित व्यक्ति (व्यक्तियों) को ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों)
(धारक का/धारकों के नाम)

के रूप में नामनिर्देशन करता हूं / करने हैं/जिसे/जिन्हें मेरी/हमारी/अवयम्बक धारक की मूल्य की दशा में नीचे विनिर्दिष्ट बंधपत्रों पर
गोदाय रकम का भंदाय किया जाए :

बंधपत्र

क्रम सं.	वर्णन	मुभिज्ञ संख्याक	निर्गमन तारीख	अकित मूल्य
1.				
2.				
3.				

नामनिर्देशिती

नाम	पता	जन्म तिथि (यदि नाम निर्देशिती सदैय रकम का प्रसिद्धता अवयम्बक है)
1.		
2.		

अपर क्रम सं. ————— पर नामनिर्देशिती अवयस्क है/है, इस लिए मैं/थ्री/थ्रीमती/कुमार—
को ऐसे नाम-निर्देशिती (नामनिर्देशितियों) की अवयस्कता के दौरान मेरी/हमारी/अवयस्क धारक की मृत्यु
हो जाने की दशा में उस/उन पर शोध्य रकम प्राप्त करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ /करते हैं।

ॐ यह नामनिर्देशन मेरे/हमारे द्वारा ————— तारीख को किए गए और भारतीय नद्य उच्चोग विकास बैंक
की बहियों में ————— को रजिस्ट्रीकृत नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में है जो इस नामनिर्देशन के रजिस्ट्रीकरण रह हो
जाएगा।

†††(धारक के हस्ताक्षर)

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

- 1.
- 2.

स्थान :

तारीख :

@इस स्तंभ में प्रत्येक नामनिर्देशिती को संकेत कुल रकम का प्रतिशत दर्शित करें।

†इस पैरा को काट दें जब नामनिर्देशन किसी अवयस्क के पक्ष में नहीं है।

††इस पैरा को काट दें जब नामनिर्देशन पहले किए गए नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में नहीं है।

††यदि कोई बंधपत्र किसी अवयस्क के नाम में धारित है तो नाम-निर्देशन अवयस्क की ओर से विधिवृत्त रूप में हकदार किसी
व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।

प्ररूप XVI [विनियम 18(7) देखें]।

नामनिर्देशन को रह करने के लिए प्ररूप

मैं/हम ————— नीचे विनिर्दिष्ट और ————— को रजिस्ट्रीकृत
(धारक का/धारकों के नाम)

बंधपत्रों की शाखा मेरे/हमारे द्वारा किए गए ————— के नामनिर्देशन को इसके/इनके द्वारा रह करता हूँ/करते हैं।
(तारीख)

क्रम सं.	वर्णन	सुभिन्न संख्यांक	निर्गमन तारीख	अंकित मूल्य
1.				
2.				
3.				

स्थान :

तारीख :

(धारक के हस्ताक्षर)

(धारक का नाम)

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

- 1.
- 2.

यदि बंधपत्र किसी अवयस्क के नाम में धारित है तो नाम-निर्देशन का रहकरण वयस्क की ओर से विधिवृत्त रूप में
हकदार व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।

(ह०/-)

आर. एस. अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक

पाद टिप्पणी:- प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने 21 जून, 1990 के अपने पत्र द्वारा भारतीय
लद्यु उच्चोग विकास बैंक (बंधपत्रों का निर्गमन और प्रबन्ध) विनियम, 1990 को अनुमोदन प्रदान किया है।

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK
OF INDIA (ISSUE AND MANAGEMENT OF
BONDS) REGULATIONS, 1990**

No. 3144/CAD. Bonds|General Regulations -- In exercise of the powers conferred by Section 52 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Board of Directors of the Small Industries Development Bank of India, with the previous approval of the Industrial Development Bank of India, is pleased to make the following Regulations, namely :—

1. Short title and applications.—(1) These Regulations may be called the Small Industries Development Bank of Ind'a (Issue and Management of Bonds) Regulations, 1990.

(2) They shall apply to Bonds issued and sold by the Small Industries Bank under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989.

2. Definitions.—In these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context,

- (a) "the Act" means the Small Industries Development Bank of India Act, 1989;
- (b) "Bonds" means the Bonds issued and sold by the Small Industries Bank under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Act;
- (c) "Small Industries Bank" means the Small Industries Development Bank of India established under the Act;
- (d) "Defaced Bond" means a Bond which has been made illegible and rendered undecipherable in material parts and the material parts of a Bond are those where :—
 - (i) the number, the issue to which it appertains and the face value of the Bond, or payment of interest are recorded; or
 - (ii) the endorsement or the name of the payee is written; or
 - (iii) the renewal receipt or the memorandum of transfer is supplied;
- (e) "Form" means a form as set out in the Schedule to these Regulations;
- (f) "Lost Bond" means a Bond which has actually been lost and shall not mean a Bond which is in possession of some person adversely to the claimant;
- (g) "Mutilated Bond" means a Bond which has been destroyed, torn or damaged in material parts thereof;
- (h) "Office of Issue" means the office of the Small Industries Bank on the books of which a Bond is registered or may be registered;

(i) "Prescribed Officer" means the General Manager or such officers of the Small Industries Bank as may be authorised by the Board of Directors of the Small Industries Bank for the purposes of Regulations 11, 12, 13, 15, 17, 19 and 20;

(j) "Stock Certificate" means a Stock Certificate issued under Regulation 3.

3. Form of the Bond and the mode of transfer thereof, etc.—(1) A Bond may be issued in the form of :—

- (a) A promissory note payable to, or to the order of, a certain person; or
- (b) Stock registered in the books of the Small Industries Bank for which Stock Certificate are issued.

(2) (a) A Bond issued in the form of a promissory note shall be transferable by endorsement and delivery like a promissory note payable to order.

(b) No writing on a Bond issued in the form of a promissory note shall be valid for the purpose of negotiation if such writing purports to transfer only a part of the amount denominated by the Bond.

(3) A Bond issued in the form of a Stock Certificate and registered in the books of the Small Industries Bank shall be transferable either wholly or in part by execution of an instrument of transfer in Form V. The transferor in such a case shall be deemed to be the holder of the Bonds issued in the form of Stock to which the transfer relates until the name of the transferee is registered by the Small Industries Bank.

(3A) (a) Notwithstanding anything to the contrary herein contained, the Small Industries Bank may at the request of the person entitled to the Bonds, issue Bonds in the form of an entry in an account to be maintained by the Small Industries Bank in the name of the person entitled to the Bonds.

(b) The Bonds may be so issued in the form of an entry in the books of accounts of the Small Industries Bank either initially at the time of subscription to the Bonds or subsequently by conversion of the Bonds issued either in the form of a promissory note or Stock.

(c) If a Bond has already been issued in the form of a promissory note, the Bond holder desirous of holding it in the form of an entry in an account with the Small Industries Bank shall make requisition in Form XI and surrender the Bond duly endorsed in favour of the Small Industries Bank for the Bond being held in the form of an entry in an account in the books of the Small Industries Bank.

(d) If the Bond has been issued in the form of Stock Certificate, the holder shall transfer the Bond in favour of the Small Industries Bank with a request that the Bond may be held in the form of an entry in an account

- to be maintained by the Small Industries Bank in the name of the holder.
- (e) A person holding Bonds in the form of an entry in an account maintained by the Small Industries Bank may have the Bonds transferred or converted in the form of a promissory note or a Stock Certificate by making an application in Form XII.
- (f) No fee is chargeable for issuing Bonds in the form of an entry in the account of the books of the Small Industries Bank or converting Bonds already issued either in the form of a promissory note or Stock in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank or vice versa.
- (g) Bonds issued or held in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank shall be transferable by execution of an instrument of transfer in Form XIII. The transferor in such cases shall be deemed to be the holder of the Bonds to which the transfer relates till such time the name of the transferee is entered in the books of the Small Industries Bank.
- (4) (a) A Bond shall be issued over the signature of the Managing Director or in his absence by an Executive Director and or a General Manager of the Small Industries Bank which may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Small Industries Bank may direct.
- (b) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as it had been inscribed in the proper handwriting of the signatory himself.
- (5) No endorsement of a Bond in the form of a promissory note or no instrument of transfer in the case of a Bond in the form of a Stock Certificate shall be valid unless made by the signature of the holder or his duly constituted attorney or representative inscribed in the case of a Bond in the form of a promissory note on the back of the Bond itself and in the case of a Stock Certificate on the instrument of transfer.
4. Trust not recognised.—(1) The Small Industries Bank shall not be bound or compelled to recognise in any way, even when having notice thereof, any trust or any right in respect of a Bond other than an absolute right thereto in the holder.
- (2) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1), the Small Industries Bank may, as an act of grace and without liability to the Small Industries Bank, record in its books such directions by the holder of a Bond issued in the form of Stock for the payment of interest on, or of the maturity value of or the transfer of or such matters relating to the Stock as the Small Industries Bank thinks fit.
5. Provision for holding Bonds issued in the form of the Stock Certificate by trustees and office-holders.—
- (1) A Bond in the form of Stock Certificate may be held by a holder of an office.—
- (a) in his personal name, described in the books of the Small Industries Bank and in the Stock Certificate as a trustee whether as a trustee of the trust specified in his application or as a trustee without any such qualification, or
 - (b) by the name of his office.
- (2) On an application made in writing to the Small Industries Bank in the Form required by the Small Industries Bank the person in whose name a Bond stands and on surrender of the Bond, the Small Industries Bank may :—
- (a) make an entry in its books describing him as a trustee of a specified trust or as a trustee without specification of any trust and issue a Stock Certificate in his name described as trustee with or without the specification of the trust as the case may be; or
 - (b) issue a Stock Certificate to him by the name of his office and make an entry in its books describing him as the holder of the Stock by the name of his office, according to the applicant's request provided :—
 - (i) the request is in conformity with the provisions of sub-regulation (1) hereof;
 - (ii) the necessary evidence required by the Small Industries Bank in terms of sub-regulation (7) has been furnished; and
 - (iii) the Bond, if it is in the form of promissory note, has been endorsed in favour of the Small Industries Bank and if in the form of Stock Certificate, has been receipted by the registered holder in Form X.
- (3) The Stock Certificate under sub-regulation (1) may be held by the holder of the office either alone or jointly with another person or persons or with a person or persons holding an office.
- (4) When the Stock is held by a person in the name of his office, any documents relating to the Stock Certificate concerned may be executed by the person for the time being holding the office by the name in which the Stock Certificate is held as if his personal name were so stated.
- (5) Where any transfer deed, power of attorney or other document purporting to be executed by a Stock Certificate holder described in the books of the Small Industries Bank as a trustee or as a holder of an office is produced to the Small Industries Bank, the Small Industries Bank shall not be concerned to inquire whether the Stock-holder is entitled under the terms of any trust or document or rules to give any such power or to execute such deed or other document, and may act on the transfer deed, power of attorney or document in the same manner as though the executant is a Stock Certificate holder and whether the Stock Certificate holder is or is not described in the transfer deed, power of attorney or document as a trustee or as a holder of an office and whether he

does or does not purport to execute the transfer deed, power of attorney or document in his capacity as a trustee or as a holder of the office.

(o) Nothing in these Regulations shall, as between any trustees or office holders and the beneficiaries, under a trust or any document or rules, be deemed to authorise the trustees or office holders to act otherwise than in accordance with the rules of law applying to trust the terms of the instrument constituting the trust, or the rules governing the association of which the Stock Certificate holder is a holder of an office and neither the Small Industries Bank nor any person holding or acquiring any interest in any Stock Certificate shall by reason only of any entry in any register maintained by the Small Industries Bank in relation to any Stock Certificate or any Stock Certificate holder or of anything in any document relating to Stock Certificate be affected with notice or any trust or of the fiduciary character of any Stock Certificate holder or of any fiduciary obligation attaching to the holding of any Stock Certificate.

(7) Before acting on any application made, or on any document purporting to be executed, in pursuance of this Regulation by a person as being the holder of any office, the Small Industries Bank may require the production of evidence that such person is the holder for the time being of that office.

6. Provision for holding of bonds issued in the form of promissory notes by trust/trustee(s).—(1) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1) of Regulation 4, the Small Industries Bank may, at the request of the applicant and without liability to the Small Industries Bank, issue a Bond in the form of promissory note in the name of a specified trust or trustee(s) of that trust, or, as the case may be, in the personal name of the applicant, describing him as a trustee, whether as a trustee of the trust specified in his application or as a trustee without such specifications.

(2) Where a Bond in the form of promissory note stands in the personal name of the holder, the Small Industries Bank may, on an application made by him in the form required by the Small Industries Bank and on surrender of such Bond, issue a renewed Bond in the form of a promissory note in the manner laid down in sub-regulation (1) hereof provided that—

(i) the necessary evidence required by the Small Industries Bank in terms of sub-regulation (6) hereof has been furnished; and

(ii) the Bond has been endorsed in favour of the Small Industries Bank.

(3) The Bond under sub-regulation (1) may be held by a trustee of any trust either alone or jointly with another person or persons as trustees of that trust.

(4) Where a Bond in the form of promissory note purports to have been endorsed by the Bond holder as a trustee, or whether any power of attorney or other document purporting to be executed by the Bond holder is produced to the Small Industries Bank, the

Small Industries Bank shall not be concerned to enquire whether the Bond holder is entitled under the terms of any trust or document or rules to make such endorsement or execute such power of attorney or other document, and may act on the endorsement, power of attorney or document in the same manner as though such endorser is a Bond holder and whether the Bond holder is or is not described in the endorsement, power of attorney or document as a trustee, and whether he does or does not purport to make endorsement or execute the power of attorney or document in his capacity as a trustee.

(5) Nothing in these regulations shall, as between any trustees and the beneficiaries, under a trust or any document or rules, be deemed to authorise the trustees to act otherwise than in accordance with the rules of law applying to trust or the terms of the instrument constituting the trust.

(6) Before acting on any application made, in pursuance of this regulation, by a person as being the trustee of any trust, the Small Industries Bank may require the production of evidence that such person is the trustee for the time being of that trust.

7. Persons disqualified to be holders.—No minor and no person who has been found by a competent court to be of unsound mind shall be entitled to be a holder of Bonds.

8. Payment of Interest.—(1) Interest on a Bond in the form of a promissory note shall be paid by the Office of Issue or any other office of the Small Industries Bank specified in the Bond Prospectus subject to compliance by the holder of the Bond with such formalities as the Small Industries Bank may require, and on presentation of the Bond.

(2) Interest on a Bond in the form of Stock Certificate shall be paid by issue of warrants crossed account payee or in such other manner as may be decided by the Small Industries Bank. The presentation of the Stock Certificate shall not be required at the time of payment of interest but the payee shall acknowledge the receipt at the back of the warrant.

(3) Interest on a Bond held in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank shall be paid by the Small Industries Bank by issue of warrants crossed account payee or in such other manner as may be decided by the Small Industries Bank.

9. Procedure where Bond in the form of a promissory note is lost, etc.—(1) Every application for the issue of a duplicate Bond in place of a Bond which is alleged to have been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, either wholly or in part shall be addressed to the Office of Issue, and shall contain the following particulars, namely :—

(a) Bond No. for Rs. of the per cent Small Industries Development Bank of India Bonds, (year)

(b) Last half-year for which interest has been paid;

- (c) The person to whom such interest was paid;
 - (d) The person in whose name Bond was issued (if known);
 - (e) The circumstances attending the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement; and
 - (f) Whether the Loss or Theft was reported to the police.
- (2) Such application shall be accompanied by :—
- (a) where the Bond was lost in the course of transmission by registered post, the Post Office registration receipt for the letter containing the Bond;
 - (b) a copy of the police report if the loss or theft was reported to the police in ;
 - (c) if the applicant is not the registered holder, an affidavit sworn before a magistrate testifying that the applicant was the last legal holder of the Bond, and all documentary evidence necessary to trace back the title to the registered holder; and
 - (d) any portion or fragments which may remain of the Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced bond.

10. Notification in Gazette.—The Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of a Bond or portion of a Bond in the form of a promissory note shall forthwith be notified by the applicant in three successive issues of the Gazette of India and of the local official Gazette, if any, of the place where the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement occurred. Such notification shall be in the following form or as nearly in such form as circumstances permit :—

"The Small Industries Development Bank of India Bond No. of the per cent Bond for Rs. originally standing in the name of and last endorsed to the proprietor, by whom it was never endorsed to any other person having been *Lost|Stolen|Destroyed| Mutilated|Defaced, notice is hereby given that payment of the above Bond and the interest thereupon has been stopped at the Office of Issue, and that application is about to be made or has been made for the issue of a duplicate in favour of the proprietor. The public are cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above-mentioned Bond.

Name of the person notifying
Residence".
*Delete whichever is not applicable.

11. Issue of duplicate Bond and taking of indemnity.—(1) After the publication of the last notification prescribed in Regulation 10, the Prescribed Officer shall if he is satisfied of the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of the Bond and of the justice of the claim of the applicant, cause the particulars of the Bond to be included in a list published

under Regulation 13, and shall order the Office of Issue—

- (a) if only a portion of the Bond has been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, and if a portion thereof sufficient for its identification has been produced, to pay interest and to issue to the applicant, on execution of an indemnity such as is hereinabove mentioned a duplicate Bond in place of that of which a portion has been so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced either immediately after the publication of the list under Regulation 13 or on the expiry of such period as the Prescribed Officer may consider necessary from the date of the publication of the said list;
- (b) if no portion of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, sufficient for its identification has been produced—
 - (i) to pay to the applicant, two years after the publication of the said list, and on the execution of an indemnity in the manner hereinabove prescribed, the interest in respect of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced till the expiry of the period of four years next as hereinafter provided; and
 - (ii) to issue to the applicant a duplicate Bond in place of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced four years after the date of publication of the said list, provided that :—
 - (I) if the date on which the Bond is due for repayment falls earlier than the date on which the said period of four years expires, the Prescribed Officer shall, within six weeks of the former date, invest the principal amount due on the Bond in the Post Office Savings Bank, and shall repay this amount, together with any interest which may have accrued thereon in such Bank, to the applicant at the time when a duplicate Bond would otherwise have been issued, and
 - (II) if at any time before the issue of the duplicate Bond the original Bond is discovered or it appears to the Office of Issue for other reasons that the order should be rescinded, the matter shall be referred to the Prescribed Officer for further consideration and in the meantime all action on the order shall be suspended. An order passed under this sub-regulation shall, on expiry of the period of four years referred to therein, become final unless it is in the meantime rescinded or otherwise modified.

(2) The Prescribed Officer may, at any time prior to the issue of a duplicate Bond, if he finds sufficient reason, alter or cancel any order made by him under

this regulation and may also direct that the interval before the issue of a duplicate Bond shall be extended by such period not exceeding four years as he may think fit.

(3) **Indemnities—**

- (a) (i) when executed under sub-regulation (1) (a) shall before twice the amount of interest involved, that is to say, twice the amount of all back interest accrued due on the Bond plus twice the amount of all interest to accrue due thereon during the period which will have to elapse before the issue of a duplicate Bond can be made, and
- (ii) in all other cases shall be for twice the face value of the Bond plus twice the amount of interest calculated in accordance with clause (i).
- (b) the Prescribed Officer may direct that such indemnity shall be executed by the applicant alone or by the applicant and one or two sureties approved by him as he may think fit.

12. Procedure when a Bond in form of a Stock Certificate is lost, etc.—(1) Every application for the issue of a duplicate Stock Certificate in place of a Stock Certificate which is alleged to have been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced either wholly or in part shall be addressed to the Office of Issue and shall be accompanied by—

- (a) the Post Office registration receipt of the letter containing the Stock Certificate, if the same was lost in transmission by registered post;
- (b) a copy of the police report if the Loss or Theft was reported to the police in;
- (c) affidavit sworn before a Magistrate testifying that the applicant is the legal holder of the Stock Certificate and that the Stock Certificate is neither in his possession nor has it been transferred, pledged or otherwise dealt with by him; and
- (d) any portions or fragments which may remain of the Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced Stock Certificate.

(2) The circumstances attending the loss shall be stated in the application.

(3) The Prescribed Officer shall, if he is satisfied of the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of the Stock Certificate, direct the issue of a duplicate Stock Certificate in lieu of the original certificate.

13. Publication of list :—(1) The list referred to in Regulation 11 shall be published half-yearly in the Gazette of India in the months of January and July or as soon afterwards as may be convenient.

(2) All Bonds in respect of which an order has been passed under Regulation 11 shall be included in the first list published next after the passing of such order and thereafter such Bonds shall continue

to be included in every succeeding list until the expiration of four years from the date of first publication.

(3) The list shall contain the following particulars regarding each Bond included therein, namely, the name of the issue, the number of the Bond, its value, the name of the person to whom it was issued the date from which it bears interest, the name of the applicant for a duplicate, the number and date of the order passed by the Prescribed Officer for payment of interest or issue of a duplicate, and the date of publication of the list in which the Bond was first included.

14. Discretion of the Small Industries Bank : Notwithstanding anything contained in Regulations 10, 11, 12 and 13, where the Small Industries Bank deems fit, in any case, it shall be lawful for the Small Industries Bank in its absolute discretion to dispense with the procedure prescribed therein regarding the issue of duplicate Bond and issue duplicate Bond upon such terms as to indemnity or otherwise, as it may deem fit.

15. Determination of a mutilated Bond as a Bond requiring issue of duplicate :—It shall be at the option of the Prescribed Officer to treat a Bond which has been Mutilated or Defaced as a Bond requiring issue of a duplicate under Regulation 11 or a mere renewal under Regulation 19.

16. When a Bond in the form of promissory note may be required to be renewed :—(1) A holder of a Bond in the form of a promissory note may be required by the Office of Issue to receipt the same for renewal in any of the following cases, namely:—

- (a) if only sufficient room remains on the back of the Bond for one further endorsement or if any word is written upon the Bond across the existing endorsement or endorsements;
- (b) if the Bond is torn or in any way damaged or crowded with writing or unfit, in the opinion of the Office of Issue;
- (c) if any endorsement is not clear and distinct or does not indicate the payee or payees, as the case may be, by name or is made otherwise than in one of the endorsement cages on the back of the Bond;
- (d) if the interest on the Bond has remained undrawn for ten years or more;
- (e) if the interest cages on the reverse of the Bond have been completely filled or if the vacant printed cages on the reverse of the Bond do not correspond with the half-years for which interest has become due on the date when the Bond is presented for drawal of interest;
- (f) if the Bond having been encashed three times for payment of interest is presented for re-enforcement; and

(g) if in the opinion of the Office of Issue, the title of the person presenting the Bond for payment of interest is irregular or not fully proved.

(2) When requisition for renewal of a Bond was been made under sub-regulation (1) payment of any further interest thereon shall be refused until it is receipted for renewal and actually renewed :

17. Person whose title to a Bond of a deceased sole holder may be recognised : (1) The executors or administrators of a deceased sole holder of a Bond (whether a Hindu, Mohammedan, Parsi or otherwise) or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) in respect of the Bond shall be the only persons who may be recognised by the Office of Issue (subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer) as having any title to the Bond.

(2) Notwithstanding anything contained in Section 45 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872), in the case of a Bond issued, sold or held payable to two or more holders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors, administrators, or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such Bond shall be the only person who may be recognised by the Office of Issue (subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer) as having any title to the Bond.

(3) The Office of Issue shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration, as the case may be from a competent court or office in India.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1), (2) and (3), where the Prescribed Officer in his absolute discretion thinks fit, in any case, it shall be lawful for him to dispense with the production of probate or letters of administration or other legal representation upon such terms as to indemnity or otherwise, as he may think fit.

18. Nomination :—(1) Notwithstanding anything contained in Regulation 17, where a Bond is held by one or more persons, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may nominate any person or persons to whom, in the event of the death of the sole holder or the death of all the holders, the amount due on the Bond may be paid.

Provided that when a Bond is held by two or more persons, the nominee shall become entitled to receive the amount only on the death of all the holders.

Provided further that nothing contained in this Regulation shall affect any claim which any representative of a deceased holder of a Bond may have against the nominee in respect of any amount due on the Bond.

(2) If two or more persons are nominated under sub-regulation (1), the amount due on the Bond shall be distributed amongst the nominees in the manner specified in the nomination, and in the absence of such specification, the amount shall be distributed equally among all the nominees.

Provided, however, that if no nomination subsists or, if such nomination relates only to part of the amount due, the whole amount or part thereof to which the nomination does not relate, shall be paid to the persons who may be entitled thereto under sub-regulation (2) of Regulation 17.

(3) A nomination under sub-regulation (1) may be made by the sole holder or, as the case may be, all the holders together in Form XV.

(4) A nomination may be made only in respect of a Bond which is held in the individual capacity of the holder and not in any representative capacity as the holder of an office or otherwise.

(5) Where the nominee is a minor, the sole holder or as the case may be, all the holders together may appoint any person (not being a minor) to receive the amount due on the Bond during the minority of the nominee.

(6) Where a Bond is held in the name of a minor, the nomination, if any, shall be made by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

(7) A nomination may be substituted by submitting an application in Form XV or cancelled by submitting an application in Form XVI, together with the Bond, to the Small Industries Development Bank of India.

(8) A nomination or a substitution or a cancellation of a nomination shall be registered in the books of the Small Industries Bank and the fact of registration shall be noted on the Bond and, on such registration the said nomination, cancellation or substitution, as the case may be, shall be deemed to be effective from the date on which it was submitted.

(9) The rights, which a nominee has acquired in relation to the Bond under a nomination duly made and registered under this Regulation, shall not be affected by reason of the issue of a duplicate Bond and the nominee shall have the same rights in relation to the duplicate Bond as he had in relation to the original Bond.

19. Receipt for renewal: etc.—(1) Subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer, the Office of Issue may, by its order, on the application of the holder—

(a) on his delivering the Bond or Bonds in the form of promissory note or notes and on his satisfying the Office of Issue regarding the justice of his claim, renew, sub-divide or consolidate the note or notes provided the note or notes has or have been receipted in Form I, II or III, as the case may be; or

(b) convert the note or notes into Stock Certificate or Stock Certificates provided the note or notes has or have been endorsed as follows—

"Pay to the Small Industries Development Bank of India", or

- (c) renew, sub-divide or consolidate a Stock Certificate or Stock Certificates provided the Stock Certificate or Stock Certificates has or have been received in Form VI, VII or VIII, as the case may be; or
- (d) convert the Stock Certificate or Stock Certificates into promissory note or notes provided the Stock Certificate or Stock Certificates has or have been received in Form IX, or
- (e) convert the Bonds of one series into those of another provided—
 - (i) inter series conversion is permissible; and
 - (ii) the conditions governing such conversion are complied with.

(2) The Office of Issue may, under the orders of Prescribed Officer, require the applicant for renewal, sub-division or consolidation of a Bond under the sub-regulation (1) to execute an indemnity in Form IV with one or more sureties approved by him.

20. Renewal of Bond in case of dispute as to title.—Where there is a dispute as to the title to a Bond in respect of which an application for renewal has been made, the Prescribed Officer may :—

- (a) where any party to the dispute has obtained a final decision from a court of competent jurisdiction declaring him to be entitled to such Bond, issue a renewed Bond in favour of such party, or
- (b) refuse to renew the Bond until such a decision has been obtained.

EXPLANATION :

For the purposes of this Regulation, the expression final decision means a decision which is not appealable or a decision which is appealable but against which no appeal has been filed within the period of limitation allowed by law.

21. Liability in respect of Bond renewed, etc.—When a duplicate Bond has been issued under Regulation 11 or a renewed Bond has been issued or a new Bond has been issued upon sub-division or consolidation under Regulation 19, in favour of a person, the Bond so issued shall be deemed to constitute a new contract between the Small Industries

Bank and such person and all persons deriving title thereafter through him.

22. Discharge.—The Small Industries Bank shall be discharged from all liability in respect of the Bond or Bonds paid on maturity or in place of which a duplicate, renewed, sub-divided or consolidated Bond or Bonds has or have been issued.

- (a) in the case of payment, after the lapse of four years from the date on which payment was due;
- (b) in the case of a duplicate Bond after the lapse of four years from the date of the publication under Regulation 13 of the list in which the Bond is first mentioned, or from the date of the payment of interest on the original Bond, referred to in Regulation 11 whichever date is later;
- (c) in the case of a renewed Bond or of a new Bond issued upon sub-division or consolidation after the lapse of four years from the date of issue thereof.

23. Discharge in respect of interest.—Save as otherwise expressly provided in the terms of the Bond, no person shall be entitled to claim interest on any such Bond in respect of any period which has elapsed after the earliest date on which demand could have been made for the payment of the amount due on such Bond.

24. Discharge of a Bond.—(a) When a Bond held in the form of promissory note or Stock Certificate becomes due for payment of principal, it shall be presented at the office of the Small Industries Bank at which interest thereon is payable or at the Office of Issue duly signed by the holder on its reverse;

- (b) When a Bond in the form of an entry in the account becomes due for payment of principal, a duly signed receipt in Form XIV shall be furnished by the holder to the Office of Issue.

25. Exercise of Powers on behalf of the Small Industries Bank :—The powers exercisable by the Small Industries Bank under Regulations 4(2), 5(2), 5(7), 6(6) and 8(1) may be exercised on behalf of the Small Industries Bank by the Managing Director and in his absence by an Executive Director and/or a General Manager of the Small Industries Bank.

SCHEDULE

FORM I [See Regulation 19(1) (a)]

Form of endorsement for renewal of a Bond in the form of a Promissory Note

Received in lieu of hereof, a renewed Note Payable to with

(name of holder)

interest payable by the Small Industries Development Bank of India.....,

(place)

Signature of the holder/duly authorised representative of

.....
(name of holder)

FORM II [See Regulation 19(1) (a)]

Form of endorsement for sub-division of a Bond in the form of a Promissory Note

Received in lieu hereof.....
 Notes for Rs.....respectively,
 payable to.....with interest payable
 (name of holder)
 by the Small Industries Development Bank of India,
 (place)

Signature of the holder/duly authorised representative of

.....
 (name of holder)

FORM III [See Regulation 19(1)(a)]

Form of endorsement for consolidation of Bonds in the form of Promissory Note

Received in lieu of hereof a new Note payable to.....
 (name of holder)
 for Rs.....by consolidation with Note or Notes No. (s).....(mentioning
 the number(s) and amount(s) of the other Note(s) desired to be consolidated with it and specifying
 the issue) with interest payable by the Small Industries Development Bank of India.....
 (place)

Signature of the holder/duly authorised representative of

.....
 (name of holder)

FORM IV [See Regulation 19(2)]

Know all men by these presents that we.....
 (name of principal)

Son of.....Resident of.....
and.....Son of.....
 (Surety No. 1)
 of.....Resident of.....
 and.....Son of.....
 (Surety No. 2)

Resident of.....hereby bind ourselves and
 each of us, our and each of our heirs, executors, administrators and representatives and all of them
 jointly and severally to the Small Industries Development Bank of India as established under the Small
 Industries Development Bank of India Act, 1989 (hereinafter called "the said Small Industries Bank")
 for payment of the sum of Rs.....to the said Small Industries
 Bank, its certain attorneys, successors and assigns.

AND I/each of us the said.....
 (name of Principal) and (name of Surety/Sureties)

.....hereby covenant with the said Small Industries Bank that if any suit
 shall be brought touching the subject matter of this obligation or the condition hereunder written
 in any Court subordinate to the High Court of Judicature at Lucknow/Bombay, the same may, at the
 instance of the said Small Industries Bank, whoever may be a party to such suit be removed upto, tried
 and determined by any of the said High Courts in its extraordinary original civil jurisdiction to
 Lucknow/Bombay.

Whereas the said.....has
 (name of Principal)

applied to the said Small Industries Bank, for the renewal/consolidation/sub-divisional of Bond(s)
 issued by the said Small Industries Bank mentioned in the schedule hereto.

AND WHEREAS the said Small Industries Bank has consented and agreed to accept the said application on the said.....with
(name of Principal)

two good and sufficient sureties entering into and executing the above written Bond subject to the condition hereunder written :

AND WHEREAS the above bounden.....
(name of Surety/Sureties)

at the request of the said.....
(name of Principal)

has/have agreed to become surety/sureties for.....
and to join with the said.....

(name of Principal) (name of Principal)

in executing the above written bond.

Now the condition of the above written bond is such that if the above bounden.....and
(name of Principal)

.....or
(name of Surety/Sureties)

each of them or their heirs, executors, administrators or representatives or any or either of them shall from time to time and at all times hereafter effectually save, defend, keep harmless and indemnified the said Small Industries Bank from and against the claims and demands of all persons claiming to be entitled to the Bond(s) issued by the said Small Industries Bank mentioned in the schedules hereto or to any interest thereon and of other persons whomsoever in respect of the said Bond(s) or the renewal thereof of the payment of interest thereon and from and against all damages, losses, costs, charges and expenses which the said Small Industries Bank may sustain, incur or be liable to for or in a consequence of any such claim or demand or by reason of the issue of renewed Bond(s) as aforesaid or the payment of any interest due on the said Bond(s) or renewed Bond(s) then the above written bond shall be void but otherwise the same shall remain in full force and effect.

Signed and delivered by.....
(name of Principal)

in the presence of....., and of.....

Date :

The Schedule her in referred to

Nature and description of the Bond Number	Date of Issue	Amount
---	---------------	--------

FORM V)[See Regulation 3(3)]

Form of Transfer

I/We.....do hereby assign and
(name of holder(s))

transfer my/our interest or share in the inscribed Stock of the.....
percent Small Industries Development Bank of India Bonds,

(year)

amounting to Rs.....being the amount/a portion of the Stock for Rs.....as specified on the face of this instrument together with the accrued interest thereon unto.....

[name of transferee(s)]
his/her/their executors, administrators or assigns, and I/We.....do
(name of holder(s))
reely accept the above Stock transferred to the extent it has been transferred to me/us.

I/We..... hereby request that
(name of transferee(s))

on my/our being registered as the holder(s) of the Stock hereby transferred to me/us the aforesaid Stock Certificate to the extent it has been transferred to me/us may be renewed in my/our name(s)/converted in my/our name(s)

*I/We..... hereby request that on
(name of holder(s))

the above transferee(s) being registered as the holder(s) of the Stock hereby transferred to him/them the aforesaid Stock Certificate to the extent it has not been transferred to him/them may be renewed in my/our name(s)

As witness our hand the..... day of
.....one thousand nine hundred and
signed by the above named transferor in the presence of**.....
.....(Transferor)

Address :
(Transferee)

Address :

Signed by the above named transferee in the presence of

**.....

*This paragraph is to be used only when a portion of a certificate is transferred.

**Signature, occupation and address of witness.

FORM VI [See Regulation 19(1) (c)]

Form of endorsement for renewal of Stock Certificate

Received in lieu hereof a renewed Stock Certificate of the.....
percent Small Industries Development Bank of India Bond,.....for
(year)

Rs.....in the.....name of.....
with interest payable by the Small Industries Development Bank of India.....
(place)

Signature of the registered holder/
duly authorised representative

.....
(name of registered holder)

FORM VII [See Regulation 19(1) (c)]

Form of endorsement for sub-division of a Stock Certificate

Received in lieu of this Stock Certificate No.....Stock
Certificates for Rs.....respectively of the.....per cent
Small Industries Development Bank of India Bonds,.....with
(year)

interest payable by the Small Industries Development Bank of India,

.....
(place)

Signature of the registered holder/duly
authorised representative

.....
(name of registered holder)

FORM VIII [See Regulation 19(1)(c)]

Form of endorsement for consolidation of Stock Certificates

Received in lieu of Stock Certificate Nos..... for
 Rs....., respectively of the..... per cent Small
 Industries Development Bank of India Bonds,..... a Stock Certificate for Rs.
 (year)

..... of the..... per cent Small Industries
 Development Bank of India Bonds,..... with interest payable by the
 (years)

Small Industries Development of India,.....
 (place)

Signature of the registered holder/
 duly authorised representative

.....
 (name of registered holder)

FORM IX [See Regulation 19(1) (d)]

Form of endorsement for conversion of Stock Certificates into Promissory Notes

Received in lieu of this Stock Certificate.....
 Promissory Notes of Rs..... each together with a new
 Stock Certificate for the balance amounting to Rs.....
 with interest payable by the Small Industries Development Bank of India,.....
 (place)

Signature of the registered holder/
 duly authorised representative

.....
 (name of registered holder)

FORM X [See Regulation 5(2)(b)(iii)]

Form of receipt for renewal of a Bond issued in the form of Stock Certificate

Received in lieu hereof a renewed Stock Certificate of the.....
 percent Small Industries Development Bank of India Bonds,..... for
 (Year)

Rs..... in favour of..... with interest
 (Place)

payable by the Small Industries Development Bank of India,.....

.....
 (Signature of registered holder)

FORM XI [See Regulation 3(3A)(c)]

Requisition for conversion of Bond in the form of Promissory Note into an entry in the account with
 the Small Industries Bank

Date..... 19.....

To :

Manager,
 Bonds Section,
 Small Industries Development Bank of India,
 Bombay/Lucknow
 Dear Sir,

Re : % Small Industries Development Bank
 of India Bonds..... (..... Series)

We hereby declare that the Small Industries Development Bank of India Bonds issued in the form of Promissory Note(s) of the aggregate face value of Rs..... listed on the reverse is/are our property and request that we may please be allowed to hold the same in the form of an entry in the account to be maintained by the Small Industries Bank in our name for which purpose we are surrendering herewith the relevant bond scrips duly endorsed in favour of the Small Industries Bank. The name, designation and specimen signature(s) of the person(s), who has/have been authorised to operate the account are as per details given on the reverse.

In this connection, we are enclosing hereto deed of indemnity in your favour, duly stamped and executed on our behalf as per your draft.

We request you to kindly send to us in due course certificate of holding of bonds in form of an account with the Small Industries Bank and periodic statement of our holding at the address given above.

In the meanwhile please acknowledge receipt.

Yours faithfully,

Signature(s) of the registered
holder(s) /or his duly
authorised representative

Name(s) of registered
holder(s)

LIST OF BOND SCRIPS ENCLOSED HERETO

Promissory Note(s) in denomination(s) as stated below

1. Bond Scrip No..... dated..... for Rs.
.....(..... Series).
2. Bond Scrip No..... dated..... for Rs.
.....(..... Series).
3. Bond Scrip No..... dated..... for Rs.
.....(..... Series).

Aggregate face value of the Bond Scrips Rs.....

Specimen Signature(s) Singly/Jointly/Either or Survivor

Name 1. Designation

2. Designation

Address
.....
.....
.....

Telephone : Telex :

Enclosed (i) Bond Scrips for aggregate value of Rs.....
(ii) Deed of Indemnity.

FORM XII (See Regulation 3(3A)(e)]

Requisition for issue of Bond scrips in lieu of the Bonds held in the form of entry in the account with the Small Industries Bank

To :

Manager,

Bonds Section,

Small Industries Development Bank of India,

Bombay/Lucknow

Dear Sir,

Re :..... Small Industries Development Bank
of India Bond..... (..... Series)

We are forwarding herewith the certificate of holding issued by the Small Industries Development Bank of India in respect of the Bonds held by us in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

We request that our Bond holdings may please be converted and transferred in the form of promissory note(s), as per details given on the reverse.

We request that Bond Scrips in this regard may please be forwarded to us by registered post at our address given above, alongwith the fresh certificate of holding in respect of the balance amount of the Bonds that are continued to be held in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

In the meanwhile please acknowledge receipt.

Yours faithfully,

Signature (s) of the registered
holder (s) /or his duly
authorised representative
Name(s) of the registered
holder (s)

Details of existing certificates of holding and requirement of promissory notes.

1. Certificate of Holding No.....dated.....
Rs.....;Series)
2. Certificate of Holding No.....dated.....
Rs.....(.....Series)
3. Certificate of Holding No.....dated.....
Rs.....(.....Series)

Aggregate face value of Bonds Rs.....of which, please arrange to issue Bond Scripts in denominations as stated below

Denominations	Number	Aggregate face value
(1) Rs. 1,000 each X		= Rs.
(2) Rs. 10,000 each X		= Rs.

Total.....Scripts of the aggregate Face Value of Rs.....

We request that the balance amount of the Bonds may continue to be held in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

FORM XIII [See Regulation 3 (3A) (g)]

Form of transfer of Bonds in the Form of an entry in the account with the Small Industries Bank

We,as the holder(s) of the Bonds in the form of an entry in an account with the Small Industries Development Bank of India do hereby assign and transfer our holding to the extent of Rs.....being the entire/portion of our Bond holding together with accrued interest thereon uptoto and in favour of

We,do freely accept the transfer of the above Bonds to our name.

Witness our hand this.....day of.....

19.....

Signed by the above named.....(Seller)
in the presence of.....
Signed by the above named.....(Buyer)
in the presence of.....

Note : To be stamped in accordance with Article 62(c) of the Indian Stamp Act, 1899 (as amended by the Local Stamp Act of the State in which it is executed).

FORM XIV [See Regulation 24(b)]

Form of discharge for the Bonds held in the form of entry in the account with the Small Industries Bank

To :

Manager
Bonds Section,
Small Industries Development Bank of India,
Bombay/Lucknow.
Dear Sir,

Re : % Small Industries Development

Bank of India Bond(s) (..... Series)

Received the principal amount with accrued interest on the date of maturity on the Captioned Bond(s) of the nominal face value of Rs. (Rupees only) held in form of an entry in the book of the Small Industries Development Bank of India to the credit of (bond holder). It is certified that the nominal amount of the Bond(s) and the accrued interest as on date of maturity agree with my/our books.

Yours faithfully,

Signature(s) of the registered
holder(s)/or his duly authorised
representative
Name(s) of registered holder(s)
Date
Place

FORM XV (See Regulation 18)

Form of nomination-substitution of nomination

1. I/We, nominate the following
[Name(s) of the holder(s)]

person(s) to whom, in the event of my/our/minor holder's death, the amount due on the Bonds specified below may be paid :

BONDS

Sr. No.	Description	Distinctive Number	Date of Issue	Face Value
1.				
2.				
3.				

NOMINEE(S)

Name	Address	Date of Birth (if the nominee is a minor)	Percentage of amount payable
1.			
2.			
3.			

2. *As the nominee(s) at serial No.(s) above is/ar
minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari as the
(Name and Full address)

person to receive the amount due thereon in the event of my/our/minor holder's death during the minority of such nominee(s).

3. **This nomination is in substitution of the nomination dated made by me/us and registered in the books of the Small Industries Development Bank of India on which shall stand cancelled on registration of this nomination.

***(Signature of the holder)

Signature and address of witnesses

1. Place
2. Date

@Indicate in this column the percentage of total amount payable to each nominee.

* Strike out this paragraph when the nomination is not in favour of a minor.

**Strike out this paragraph when the nomination is not in substitution of one already made.

***If a Bond is held in the name of a minor, the nomination should be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

FORM XVI [See Regulation 18(7)]

Form of cancellation of nomination

I/We do hereby cancel the
[Name(s) of the holder (s)]

nomination dated made by me/us in respect of the Bonds specified below and registered on

Sr. No.	Description	Distinctive Number	Date of Issue	Face Value
---------	-------------	--------------------	---------------	------------

1.

2.

3.

Place :

Date :

*(Signature of the holder)

(Name of the holder)

Signatures and address
of witnesses

1.

2.

*If the Bond is held in the name of minor, the cancellation of nomination should be signed by person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

R.S. AGRAWAL, Managing Director

FOOT NOTE: Certified that Industrial Development Bank of India have given approval to Small Industries Development Bank of India (Issue and Management of Bonds) Regulations, 1990 vice their letter dt. June 21, 1990.